दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। मंगलवार 24 फरवरी -2026 ● वर्ष : 11 अंक : 66 पेज-08 ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

नगर निगम का 46 अरब का बजट पास
300 करोड़ रुपए से होगा लखनऊ का विकास

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में आठ लाख भवनस्वामियों को गृहकर में छूट और के साथ नगर निगम कार्यकारिणी ने रविवार को नए वित्तीय वर्ष का बजट पास कर दिया। इस बजट में शहर में विकास कार्यों पर पिछले साल की तुलना में 300 करोड़ रुपये ज्यादा खर्च का प्रावधान किया गया है। बीते साल का बजट 43 अरब रुपये का था जो इस बार 46 अरब रुपये का है। बजट में खुले नालों को ढंकने, पुलिया मरम्मत, सड़क निर्माण, वेंडिंग जोन और यातायात सुधार पर विशेष जोर दिया गया है। नगर निगम के नए बजट में कोई न कोई नया टैक्स लगाया गया है और न ही पुराने की दरों में कोई बढ़ोत्तरी की गई है मगर आमदनी बढ़ाने के लिए कई मदों में लक्ष्य को बढ़ाया गया है। इनमें नए बजट में गृहकर वसूली के लक्ष्य को 750 करोड़ रुपये किया गया है, जबकि बीते साल यह 68. 30 करोड़ रुपये था।

कई मदों में बजट की बढ़ोतरी की गई : विभिन्न तरह के प्रतिष्ठानों से लाइसेंस शुल्क वसूली को भी नए बजट में पांच से बढ़ाकर आठ करोड़ किया गया है। नो-पार्किंग से गाड़ी उठाए जाने के मद में भी नए बजट में आय को बीते साल की तुलना में एक करोड़ से बढ़ाकर डेढ़ करोड़ किया गया है। इसी तरह अन्य मदों में बढ़ोतरी की गई।

मार्च के तीसरे सप्ताह तक शुरू होगा दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे, प्रधानमंत्री करेंगे उद्घाटन

बागपत, करंट क्राइम। करंट क्राइम। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे को मार्च के आखिरी सप्ताह में शुरू करने की तैयारी है। इसका कार्य पूरा हो चुका है और अब फिनिशिंग का कार्य चल रहा है। इसका जायजा लेने के लिए शनिवार शाम को प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारी आए तो रविवार सुबह को एनएचएआई के चेयरमैन संतोष यादव ने आकर निरीक्षण किया।

बागपत में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से सहारनपुर तक के दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के हिस्से का निर्माण चल रहा है। इसको दिसंबर 2025 में शुरू करने का दावा किया गया। यह दावा इसलिए पूरा नहीं हो सका, क्योंकि एक्सप्रेसवे का काफी कार्य बाकी था। अब एक्सप्रेसवे का निर्माण पूरा हो चुका है, मगर टोल प्लाजा व फिनिशिंग का कार्य बाकी है। इसका उद्घाटन कराने के लिए पूरी रिपोर्ट सड़क परिवहन मंत्रालय व प्रधानमंत्री कार्यालय को सौंपी जाएगी।

सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री कार्यालय से रिपोर्ट को अप्रूवल मिलने के बाद दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया जाएगा। होली के बाद मार्च के तीसरी सप्ताह में प्रधानमंत्री शेष, पृष्ठ 2

गुजरती है ये रैपिड ट्रेन तीन विधानसभाओं को छूती हुई इसी लोकसभा से
फिर ऐसा क्या हुआ कि अंजान रह गये इस रूट के सारे जनप्रतिनिधि प्रधानमंत्री की सभा से

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जिस रैपिड ट्रेन का विस्तार हुआ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिसका उद्घाटन करने आये, आखिर उसी ट्रेन के उद्घाटन वाले कार्यक्रम में मंच से गाजियाबाद के विधायक क्यों दूर कर दिये गये। ये सवाल भाजपा में उठ रहा है और ट्रेन की लंबाई और ट्रेन के गुजरने का स्थान और ट्रेन के रूट की लोकसभा और ट्रेन के रूट की विधानसभाओं का हिसाब बताया जा रहा है। सवाल भाजपा के भीतर है कि आखिर किस हिसाब से प्रधानमंत्री के कार्यक्रम से तीन विधायकों और लोकसभा सांसद को दूर रखा गया। यहां पर ये बताया जाता है कि जिस रैपिड ट्रेन का उद्घाटन हुआ है वो रैपिड ट्रेन साहिबाबाद, मुरादनगर, शहर विधानसभा और मोदीनगर विधानसभा को छूते हुए गुजरती है। चार विधानसभाएं आती है और एक लोकसभा क्षेत्र से भी ये ट्रेन गुजरती है। अगर ट्रेन के कैलकुलेशन को देखें तो प्रधानमंत्री के साथ मंच वाले सीन में ये विधायक होने चाहिए थे। यहां लोकसभा सांसद अतुल गर्ग होने चाहिए थे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और जब लिस्ट आई तो उसमें से रैपिड ट्रेन की परिधि में आने वाली विधानसभाओं के विधायक नहीं थे। यहां जिले का सिस्टम लागू हो गया और लोनी विधायक नन्द किशोर गुर्जर और मोदीनगर विधायक मंजू शिवाच को बुलाया गया। मगर उनके साथ भी सितम हुआ और वो दोनों भी प्रधानमंत्री के मंच तक नहीं पहुंच सके। राजनीति में गुणा भाग लगाने वाले इसके गुणा भाग लगा रहे हैं और वो ये मान रहे हैं कि रैपिड ट्रेन में पोलिटिक्स का इफैक्ट आ गया। ये चार जिलों का कार्यक्रम था। इसमें कई नाम दिये जाने थे और ऐन मौके पर कहानी में ट्विस्ट आया है। भाजपा के भीतर ही ये कहा जा रहा है कि अगर इस रैपिड वाले सीन में विधायक और सांसद भी होते तो ये बेहतर रहता। आखिर गाजियाबाद से इतनी दूरी क्यों बनाई गई जबकि ट्रेन एक बड़ा हिस्सा गाजियाबाद से होकर गुजरता है। अगर इन चेहरों को बुलाया जाता और मंच दिया जाता तो ठीक रहता।

कचहरी में सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में विवाद
तहसील बार के धरने के बाद कामकाज ठप, आज भी हंगामे के आसार

गाजियाबाद, करंट क्राइम : सोमवार को गाजियाबाद के सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में वकीलों और अधिकारियों के बीच तीखी बहस के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। विवाद बढ़ने पर तहसील बार के वकीलों ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिसके चलते तहसील परिसर का कामकाज पूरी तरह ठप हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार किसी दस्तावेज के पंजीकरण को लेकर सब-रजिस्ट्रार और अधिवक्ताओं के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते तीखी नोकझोंक में बदल गई। वकीलों का आरोप है कि अधिकारियों का व्यवहार सहयोगात्मक नहीं है और अधिवक्ताओं के साथ असम्मानजनक भाषा का प्रयोग किया गया। घटना के विरोध में तहसील बार एसोसिएशन के बैनर तले अधिवक्ताओं ने तहसील का कार्य पूर्ण रूप से बंद करा दिया। रजिस्ट्री, दस्तावेज सत्यापन और अन्य राजस्व कार्य प्रभावित रहे, जिससे आम नागरिकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

तबादले की मांग, आंदोलन जारी रखने की चेतावनी

करंट क्राइम : धरना दे रहे वकीलों ने सब-रजिस्ट्रार के तत्काल तबादले की मांग की है। तहसील बार के अध्यक्ष का कहना है कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होगी, आंदोलन जारी रहेगा। बार पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने शीघ्र समाधान नहीं निकाला तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की जानकारी ली जा रही है और दोनों पक्षों से बातचीत कर समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा, ताकि आम जनता को असुविधा न हो। एसोसिएशन अध्यक्ष के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने एकजुट होकर विरोध शुरू किया। बातचीत के दौरान दोनों पक्षों में भाषा की मयार्दा टूटने का आरोप है, जिसके बाद माहौल पूरी तरह बिगड़ गया। हालात बिगड़ते देख अधिवक्ताओं ने तहसील का संपूर्ण कार्य बहिष्कार कर दिया। कार्य बहिष्कार के चलते रजिस्ट्री समेत तमाम राजस्व कार्य पूरी तरह ठप हो गए। दूर-दराज से आए फरियादियों और आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। तहसील परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। घंटों तक तहसील परिसर में नारेबाजी और हंगामा जारी रहा। स्थिति लगातार तनावपूर्ण बनी रही, जिससे किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए प्रशासन सतर्क हो गया।

पुलिस बल तैनात, प्रशासन ने किया हस्तक्षेप

करंट क्राइम : हालात पर काबू पाने के लिए मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया। साथ ही वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी तहसील पहुंचे और दोनों पक्षों से संवाद कर विवाद सुलझाने का प्रयास शुरू किया। अधिकारियों ने संयम बरतने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की अपील की। खबर लिखे जाने तक प्रशासन और अधिवक्ताओं के बीच बातचीत जारी बताई जा रही है। तहसील परिसर में एहतियातन पुलिस तैनाती बरकरार है। प्रशासन का दावा है कि जल्द ही रजिस्ट्री से जुड़े विवाद का व्यावहारिक समाधान निकाल लिया जाएगा।

27-28 फरवरी व 1 मार्च को 'वंदे मातरम्' की खुशबू से महकेगा गाजियाबाद
चीफ वार्डन ललित जायसवाल के दूरदर्शी विजन से सजेगा फ्लावर शो एंड चटकारे फूड फेस्टिवल

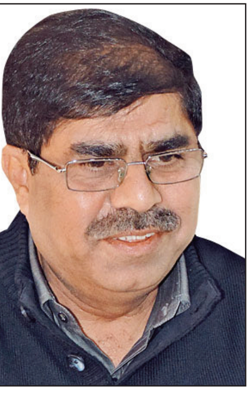

गाजियाबाद, करंट क्राइम। किसी शहर की पहचान केवल इमारतों और सड़कों से नहीं बनती, उसे पहचान देते हैं उसके संस्कार, उसके उत्सव और उसे सजाने-संवारने वाले लोग। सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन ललित जायसवाल ने इसी सोच को साकार रूप देते हुए फ्लावर शो को गाजियाबाद की सांस्कृतिक पहचान बना दिया है। 27, 28 फरवरी और 1 मार्च 2026 को गोल्फ लिंक (एनएच-09) में आयोजित होने जा रहा 'फ्लावर शो एंड चटकारे फूड फेस्टिवल' इस बार 'वंदे मातरम – **Not Just Words, But a Commitment**" थीम पर आधारित होगा। यह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि राष्ट्रभाव, प्रकृति प्रेम और सामाजिक एकता का उत्सव होगा – जिसकी परिकल्पना और सतत मेहनत के केंद्र में ललित जायसवाल हैं। साहित्यिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता, सामाजिक सरोकारों से जुड़ाव, रामलीला मंचन में वर्षों की भूमिका और सिविल डिफेंस में कर्मठ नेतृत्व – इन सभी आयामों ने ललित जायसवाल को शहर में एक समर्पित आयोजक और दूरदर्शी व्यक्तित्व के रूप में स्थापित किया है। उनके मार्गदर्शन में फ्लावर शो हर वर्ष और अधिक भव्य, व्यवस्थित और प्रोफेशनल होता जा रहा है।

हर साल बढ़ती भव्यता, हजारों की सहभागिता

करंट क्राइम। यह फ्लावर शो अब गाजियाबाद का वार्षिक उत्सव बन चुका है। हजारों लोग शहर और आसपास के जिलों से परिवार सहित पहुंचते हैं। बच्चों की हंसी, महिलाओं की सहभागिता और परिवारों का उल्लास इस आयोजन को जीवंत बना देता है। कई लोगों का मानना है कि इन तीन दिनों में गाजियाबाद का रूप ही बदल जाता है।

रंगों और खुशबुओं की दुनिया

करंट क्राइम। गुलाब, लिली, ऑर्किड, डहेलिया, कार्नेशन, गेंदा, पेटूनिया सहित देशी-विदेशी फूलों की सैकड़ों किस्में प्रदर्शित होंगी। रेजिडेंशियल गार्डन प्रतियोगिता और पुष्प सज्जा स्पधार्एं प्रकृति प्रेमियों को आकर्षित करेंगी।

स्वाद और संस्कृति का संगम

करंट क्राइम। 'चटकारे फूड फेस्टिवल' में स्ट्रीट फूड से लेकर पारंपरिक भारतीय व्यंजन और आधुनिक डिशेज तक की विविधता उपलब्ध रहेगी। गुणवत्ता और स्वच्छता पर विशेष ध्यान रखा जाएगा।

स्कूलों की भागीदारी, बच्चों में राष्ट्रभाव

करंट क्राइम। ड्रॉइंग प्रतियोगिता, साइकिल रैली, क्विज और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शहर के विभिन्न स्कूलों की भागीदारी रहेगी। ह्लवंदे मातरम्ह्व थीम बच्चों में देशभक्ति और प्रकृति संरक्षण की भावना को प्रेरित करेगी। ललित जायसवाल का मानना है कि जब समाज साथ आता है, तो शहर केवल सजता नहीं — संवरता है। फ्लावर शो आज उसी सामूहिक संकल्प का प्रतीक बन चुका है, जिसने गाजियाबाद को नई खुशबू और नई पहचान दी है।

इंदिरापुरम थाने का हुआ उद्घाटन
बेहतर वर्कप्लेस से ही बेहतर पुलिसिंग संभव : पुलिस कमिश्नर

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में थानों के सौंदरीकरण और आधुनिकरण की कड़ी में सोमवार रात इंदिरापुरम थाने का औपचारिक उद्घाटन किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में सीपी जे रविंदर गौड , एडिशनल सीपी, डीसीपी ट्रांस हिंडन, सिटी ओर ग्रामीण जोन, एसीपी सहित जिले के कई थाना प्रभारी और अधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर पुलिसकर्मियों के लिए सामूहिक भोजन (बड़े खाने) का भी आयोजन किया गया। उद्घाटन के दौरान पुलिस कमिश्नर जे. रविंदर गौड ने कहा कि बेहतर वर्कप्लेस होने पर काम की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। उन्होंने जनसुनवाई को प्राथमिकता देने, आमजन से शालीन व्यवहार रखने और पुलिसिंग में संवेदनशीलता बढ़ाने पर जोर दिया। उनका कहना था कि आधुनिक और सुव्यवस्थित थाने पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ाते हैं और जनता के भरोसे को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में एडिशनल सीपी केशव चौधरी, एडिशनल सीपी राज करन नैय्यर, डीसीपी (ट्रांस हिंडन) निमिष दशरथ पाटिल, एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव, एसीपी साहिबाबाद श्वेता यादव, आईपीएस अधिकारी दीप्ति चौहान समेत कई अधिकारी व अतिथि और स्थानीय पत्रकार उपस्थित रहे।

ट्रांस हिंडन जोन में तेजी से बदल रही थानों की तस्वीर

करंट क्राइम :पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के ट्रांस हिंडन जोन में थानों के सुधार और सौंदरीकरण का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। इससे पहले साहिबाबाद थाने का सुधारीकरण हुआ, फिर शालीमार गार्डन, लिंक रोड थाना खोला गया और अब इंदिरापुरम थाने का शुभारंभ किया गया है। बताया जा रहा है कि आने वाले दिनों में कमिश्नरेट जोन सिटी के कवि नगर, घंटाघर कोतवाली और विजयनगर थानों का भी उद्घाटन किया जाएगा। इन थानों में नवीनीकरण और रिनोवेशन से जुड़े कार्य अंतिम चरण में हैं। पुलिस अधिकारियों का उद्देश्य आधुनिक सुविधाओं के साथ जनहित में प्रभावी और भरोसेमंद पुलिसिंग सुनिश्चित करना है।

मार्च के तीसरे सप्ताह तक शुरू होगा दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे, प्रधानमंत्री करेंगे उद्घाटन

एनएचएआई के अध्यक्ष संतोष यादव ने एक्सप्रेसवे का किया निरीक्षण

साढ़े 6 घंटे की जगह महज ढाई घंटे में पहुंचा जा सकता है दिल्ली से देहरादून

बागपत। करंट क्राइम। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे को मार्च के आखिरी सप्ताह में शुरू करने की तैयारी है। इसका कार्य पूरा हो चुका है और अब फिनिशिंग का कार्य चल रहा है। इसका जायजा लेने के लिए शनिवार शाम को प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारी आए तो रविवार सुबह को एनएचएआई के चेयरमैन संतोष यादव ने आकर निरीक्षण किया।

बागपत में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से सहारनपुर तक के दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के हिस्से का निर्माण चल रहा है। इसको दिसंबर 2025 में शुरू करने का दावा किया गया। यह दावा इसलिए पूरा नहीं हो सका, क्योंकि एक्सप्रेसवे का काफी कार्य बाकी था। अब एक्सप्रेसवे का निर्माण पूरा हो चुका है, मगर टोल प्लाजा व फिनिशिंग का कार्य बाकी है।

इसका उद्घाटन कराने के लिए पूरी रिपोर्ट सड़क परिवहन मंत्रालय व प्रधानमंत्री कार्यालय को सौंपी जाएगी।

सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री कार्यालय से रिपोर्ट को अप्रूवल मिलने के बाद दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया जाएगा। होली के बाद मार्च के तीसरी सप्ताह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद इस एक्सप्रेसवे का शुभारंभ करेंगे। हालांकि अभी तक यह तय नहीं है कि प्रधानमंत्री कहां पर इस एक्सप्रेसवे का शुभारंभ करेंगे। यह एक्सप्रेसवे शुरू होने के बाद दिल्ली और देहरादून के बीच की दूरी तय करने में काफी कम समय लगेगा।

एनएचएआई के चेयरमैन संतोष यादव ने बागपत के अधिकारियों के साथ मवीकलां में एक्सप्रेसवे के निर्माण की स्थिति को देखा तो वहां उनको सब ठीक मिला। वहां कुछ फिनिशिंग का कार्य बाकी है, जो जल्द पूरा होगा। इसके बाद वे मुजफ्फरनगर, शामली होते हुए सहारनपुर तक गए। जिन जगहों पर फिनिशिंग का कार्य बाकी है, वहां मार्च के पहले सप्ताह तक पूरा कराने के निर्देश दिए गए। इसके बाद इसका ट्रायल किया जाएगा, जो कई दिन तक चल सकता है। ट्रायल सफल होने के बाद इसके उद्घाटन के लिए मंत्रालय की तरफ से प्रधानमंत्री कार्यालय से समय लिया जाएगा। दिल्ली-देहरादून के बीच बन चुके एक्सप्रेसवे को लेकर लोगों का इंतजार अब जल्द खत्म होने वाला है। 212 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे के फरवरी में शुरू होने की संभावना थी, अब उसके मार्च में उद्घाटन की संभावना है।

मार्च के शुरूआती दिनों तक काम पूरा हो जाएगा और महीने के दूसरे सप्ताह में इसे आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। 6-लेन वाला यह एक्सप्रेसवे दिल्ली से उत्तराखंड की राजधानी देहरादून तक की यात्रा को ढाई से 3 घंटे में पूरा कर देगा। कारों के लिए अधिकतम गति सीमा 100 किमी प्रति घंटा और भारी वाहनों के लिए 80 किमी प्रति घंटा निर्धारित की गई है। करीब 12,000 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस परियोजना को चार सेक्शन में विकसित किया गया है। यह मार्ग दिल्ली में अक्षरधाम के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से शुरू होकर शास्त्री पार्क, खजूरी खास, मंडोला (खेकडा) स्थित ईपीई इंटरचेंज, बागपत, शामली और सहारनपुर होते हुए देहरादून तक जाएगा।

सहारनपुर खंड के 80 किलोमीटर हिस्से का काम पूरा हो चुका है, जिसमें उत्तराखंड के जड़ौदा पांडा से दात काली मंदिर तक 12 किलोमीटर लंबी एलिवेटेड रोड शामिल है। इस एलिवेटेड हिस्से पर यातायात शुरू हो चुका है। वहीं लखनौर से गणेशपुर तक 41 किलोमीटर का हिस्सा भी चालू कर दिया गया है।

एक्सप्रेसवे पर दातकाली में 340 मीटर लंबी सुरंग, 16 एंट्री-एग्जिट प्वाइंट, 113 अंडरपास और पांच रेलवे ओवरब्रिज शामिल हैं। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे को वर्ष 2020 में मंजूरी दी गई थी। इसके बाद दिसंबर 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी आधारशिला रखी थी। शुरूआत में इसे 2024 के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य था, लेकिन निर्माण में देरी के चलते अब इसकी समयसीमा मार्च 2026 तक बढ़ गई है। इस एक्सप्रेसवे में एशिया का सबसे लंबा 12 किलोमीटर का वाइल्डलाइफ कॉरिडोर भी शामिल है। इसके एक तरफ राजाजी नेशनल पार्क स्थित है, जबकि दूसरी तरफ रिस्पना और बिंदल नदियां बहती हैं। करीब 1,200 करोड़ रुपये की लागत से बना यह एलिवेटेड कॉरिडोर नदी के बीचों-बीच 575 खंभों पर खड़ा किया गया है।

होली का जश्न मनाने को सज रहे बाजार

मिलावट खोर भी तैयार, पाम ऑयल मिलाकर बेचा जा रहा रिफाइंड तेल

कानपुर। होली में मिलावट खोर सक्रिय हो गए हैं। पिछले वर्षों में जांच में महानगर में खोया में रिफाइंड आयल, खड़िया पाउडर और मिल्क पाउडर की मिलावट पाई गई थी। इस बार भी बड़े पैमाने पर मिलावटी खोया का कारोबार चल रहा है। एक दिन पहले ही 54 लाख से रुपये का मिलावट खाद्य पदार्थ पकड़ा गया। खाद्य विभाग के आयुक्त संजय प्रताप सिंह ने बताया कि मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ टीम बनाकर जांच कराई जा रही है।

महानगर में इटावा, औरैया, हमीरपुर, घाटमपुर, फरुर्खाबाद से ट्रेनों और बसों लाया जाता है। कानपुर में हटिया और फजलगंज खोया मंडी बड़ी मानी जाती हैं। वहीं, दुकानों पर बिकने वाला खोया दुकानदार अपने तरीके से बनाकर और मंगाकर बेचते हैं। पता चला है कि इस बार भी बड़ी मात्रा में मिलावटी खोया तैयार किया जा रहा है। कलक्टरगंज की खोया मंडी में 300 से 430 रुपये किलो तक बिक रहे खोया की गुणवत्ता भी जांच के दायरे में है।

खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच में संकेत मिले हैं कि कुछ दुकानों पर कचरी को आकर्षक बनाने के लिए ऐसे रंगों का प्रयोग किया जा रहा है जो खाद्य मानकों के अनुरूप नहीं हैं। देखने में चमकदार और सुंदर लगने वाली यह कचरी सेहत पर असर डाल सकती है। चिकित्सकों के अनुसार ऐसे रंग पेट और त्वचा संबंधी समस्याएं बढ़ा सकते हैं। खाद्य विभाग का मानक है कि कचरी और चिप्स जैसे खाद्य पदार्थों में रंग की मात्रा 100 पीपीएम होनी चाहिए। एक पीपीएम का अर्थ है किसी पदार्थ का एक भाग पानी के दस लाख भागों में मिलाना। इसी तरह रमजान में बड़ी संख्या में एक्सपाइरी खजूर पाया गया है। खाद्य विभाग के अनुसार, खजूर का कारोबार करने वाले अपने बचे हुए सामान को अक्सर कोल्ड स्टोरेज में भी रखवा देते हैं। एक बार का रखा हुआ खजूर कई-कई रमजान में बेचा जाता है। नयागंज के व्यापारियों का कहना है कि कई जिलों से नकली खाद्य तेल गुप्त तरीके से सप्लाई किया जाता है। हाल की कार्रवाई में पाम ऑयल की मिलावट कर रिफाइंड के नाम पर तेल बेचने के मामले सामने आए हैं। अधिकारियों ने त्योहारों तक अभियान जारी रखने और उपभोक्ताओं से खरीदारी में सतर्कता बरतने की अपील की है।

होली के साइट इफेक्ट : मिलावटी दूध पीने से चार लोगों की मौत

14 लोग गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

मुख्यमंत्री ने ली अधिकारियों से जानकारी

नई दिल्ली। होली नजदीक आ रही है। इसी के साथ होली पर मिलावटखोर भी सक्रिय हो गए हैं। ऐसा ही मिलावट का एक मामला आंध्र प्रदेश से सामने आया है। दरअसल, राजमुंदरी शहर में दो दिन में मिलावटी दूध पीने के कारण 4 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, कई लोग अस्पताल में भर्ती हैं। ये सभी लोग पेशाब नहीं होने की समस्या पर अस्पताल में भर्ती कराए गए थे। जानकारी के मुताबिक, रविवार रात को हॉस्पिटल में इलाज करा रहे दो लोगों की मौत हो गई।

इनकी पहचान एस. शेषगिरी राव (72) और राधा कृष्णमूर्ति (74) के तौर पर हुई है, जबकि तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। इससे पहले दो लोगों की मौत हो चुकी है। ये सभी पीड़ित ईस्ट गोदावरी जिले के राजमुंदरी शहर के लाला चेरुवु और चौदेश्वरी नगर इलाकों के रहने वाले हैं।

अब तक 14 लोग अस्पताल में भर्ती : स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, 15 फरवरी से अब तक कम से कम 14 लोगों को एनुरिया के लक्षणों के साथ अलग-अलग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें एक ही परिवार के चार सदस्य शामिल हैं। सभी प्रभावित परिवारों का दूध बेचने वाला एक ही है, इसलिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को शक है कि दूध में मिलावट की वजह से एनुरिया हुआ है। पीड़ित ज्यादातर बुजुर्ग हैं। बीमार हुए लोगों में एक तीन साल का बच्चा और एक पांच महीने का शिशु भी शामिल है।

प्रभावित परिवारों ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि महाशिवरात्रि (15 फरवरी) को दूध बेचने वाले ने जो दूध और दही दिया था, उसका स्वाद कड़वा था। पुलिस ने पूछताछ के लिए दूध बेचने वाले गणेश को हिरासत में लिया है। ईस्ट गोदावरी डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर कीर्ति चेकुरी ने कहा कि मौत का सही कारण पोस्टमार्टम जांच के बाद पता चलेगा। मामलों की मेडिकल जांच में तेजी लाने के लिए मेडिकल और हेल्थ डिपार्टमेंट की स्पेशल टीमों को तैनात किया गया है।

हेल्थ और फैमिली वेलफेयर कमिश्नर जी. वीरपांडियन ने कहा कि संदिग्ध एनुरिया मामलों के बाद विभाग अलर्ट पर है।

होली के त्योहार पर चलाई जाएंगी 742 विशेष ट्रेनें

स्टेशनों और कंट्रोल रूम से होगी निगरानी

होली पर रेलवे 742 विशेष ट्रेनों का संचालन शुरू करेगा। इनमें 350 विशेष ट्रेनें उत्तर रेलवे की ओर से चलाई जाएंगी। रेलवे के अनुसार, नई दिल्ली, आनंद विहार, पुरानी दिल्ली और निजामुद्दीन रेलवे स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा और यात्री सुविधाओं को प्राथमिकता दी गई है।

नई दिल्ली। होली पर रेलवे 742 विशेष ट्रेनों का संचालन शुरू करेगा। इनमें 350 विशेष ट्रेनें उत्तर रेलवे की ओर से चलाई जाएंगी। रेलवे के अनुसार, नई दिल्ली, आनंद विहार, पुरानी दिल्ली और निजामुद्दीन रेलवे स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा और यात्री सुविधाओं को प्राथमिकता दी गई है।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, नई दिल्ली समेत दूसरे प्रमुख स्टेशनों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किया गया है।

यात्रियों की सुविधा के लिए पूछताछ काउंटर, सहायता शिविर, मेडिकल सुविधा की गई है। वहीं, त्योहारों पर भीड़ को नियंत्रण करने के लिए स्टेशनों को कंट्रोल रूम से जोड़ा गया है। सीसीटीवी कैमरों के जरिए प्लेटफॉर्म, प्रवेश और निकास द्वारों पर निगरानी की जाएगी। प्लेटफॉर्म, फुटओवर ब्रिज और ट्रेनों के भीतर आरपीएफ और जीआरपी तैनात होगी।

ट्रेनों के प्लेटफॉर्म भी बदले

नई दिल्ली स्टेशन पर कुछ ट्रेनों के प्लेटफॉर्म भी बदले गए हैं। स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस और चंडीगढ़ शताब्दी एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म-1, उत्तर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म-सात से संचालित होगी। इनमें दिल्ली से चलने और वापस आने वाली ट्रेनें शामिल हैं।

जिला सहकारी बैंक समिति का शानदार प्रदर्शन आईएसओ सर्टिफिकेट पर मुख्यमंत्री से मिला सम्मान

अध्यक्ष कृष्णवीर सिंह बोले–ग्रामीण व शहरी जनता के लिए नए लोन प्लान होंगे शुरू

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद जिला सहकारी बैंक समिति ने वित्तीय वर्ष में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज करते हुए न केवल उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, बल्कि आईएसओ सर्टिफिकेट प्राप्त कर प्रदेश स्तर पर अपनी साख मजबूत की है। इस उपलब्धि पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी द्वारा बैंक को सम्मानित किया गया। यह सम्मान बैंक की पारदर्शी कार्यप्रणाली, बेहतर प्रबंधन और ग्राहक हितैषी योजनाओं का प्रमाण माना जा रहा है।

बैंक के अध्यक्ष कृष्णवीर सिंह ने बताया कि संस्था ने प्रदेश में प्रदर्शन के आधार पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है, जबकि प्रथम स्थान मेरठ को मिला। बैंक ने लगभग 1400 सौ करोड़ रुपये की श्रेणी में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

वहीं तीन जनपद–गाजियाबाद, हापुड़ और गौतमबुद्ध नगर–में संचालित बैंक का कुल कारोबार करीब 2600 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। अध्यक्ष ने बताया कि बैंक से 3 लाख से अधिक ग्राहक जुड़े हुए हैं। बैंक की दो शाखाओं को आईएफएस कोड प्राप्त हैं, जिससे डिजिटल लेनदेन और ऑनलाइन बैंकिंग सेवाओं को मजबूती मिली है। सहकारी क्षेत्र में यह एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

सरकार की योजनाओं से जोड़ने की तैयारी

करंट क्राइम : अध्यक्ष ने बताया कि बैंक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने की दिशा में काम कर रहा है। सहकारी बैंक को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताते हुए उन्होंने कहा कि आने वाले समय में बैंक आधुनिक बैंकिंग सुविधाएं, सरल प्रक्रिया और पारदर्शी व्यवस्था के साथ आगे बढ़ेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि सहकारिता के माध्यम से बैंक न केवल आर्थिक विकास में योगदान देगा, बल्कि गांव–गांव तक वित्तीय समावेशन को भी मजबूत करेगा।

ग्रामीण फोकस के साथ शहरी विस्तार

करंट क्राइम : कृष्णवीर सिंह ने स्पष्ट किया कि बैंक का मुख्य फोकस ग्रामीण क्षेत्रों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। किसानों, स्वयं सहायता समूहों, छोटे व्यापारियों और युवाओं को आसान शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब बैंक तमाम प्रकार की लोन सुविधाओं—जैसे कार लोन, कृषि ऋण, व्यवसायिक ऋण, गृह ऋण आदि—के साथ नए प्लान लेकर आया है। इन योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आम जनता को आर्थिक सहयोग प्रदान करना है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।

लाजपतनगर में दो दिवसीय स्वास्थ्य एवं आधार कार्ड शिविर का आयोजन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। लाजपत नगर स्थित एक स्कूल में राष्ट्रीय व्यापार मंडल द्वारा दो दिवसीय आधार कार्ड शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं डाक विभाग के सहयोग से आयोजित इस शिविर में आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड और निशुल्क नेत्र जांच की सुविधाएं प्रदान की गईं। आयुष्मान कार्ड 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। 18 वर्ष तक के बच्चों के नए आधार कार्ड बनाए गए एवं सभी आयु वर्ग के लोगों के आधार कार्ड में संशोधन किया गया। श्रेया आई सेंटर, इंदिरापुरम के विशेषज्ञों द्वारा निशुल्क नेत्र परीक्षण किया गया। शिविर का विधिवत उद्घाटन राष्ट्रीय व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष बालकिशन गुप्ता साहिबाबाद विधानसभा अध्यक्ष एवं पार्षद हिमांशु शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय व्यापार मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक भारतीय, पूर्व पार्षद अनिल राणा, मनीष भारद्वाज के साथ साहिबाबाद विधानसभा अध्यक्ष प्रवीण भाटी ने आयोजन में मुख्य भूमिका निभाई। इस अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों को पटका, माला और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। शिविर को सफल बनाने में महामंत्री मोहित शर्मा, कोषाध्यक्ष उमेश शर्मा, चेयरमैन प्रशांत पटेल, उपाध्यक्ष सुरेश कसाना, संजय शर्मा, देहरा जी, भूषण खन्ना, रवींद्र, राजेश कुमार, मनोज कुमार, मोहित कुमार, एडवोकेट आशीष शर्मा आदि का योगदान रहा। डाक विभाग से सुमित सागर, ताहसीम बिलाल और श्रेया आई सेंटर से डॉ. विकास वीरवाल की टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

सैकड़ों से अधिक लोगों ने इस शिविर का लाभ उठाया। स्थानीय निवासियों ने एक ही स्थान पर स्वास्थ्य और सरकारी दस्तावेजों से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय व्यापार मंडल की इस पहल की सराहना की।

65 लाख की कफ सिरप की खरीद-बिक्री का आरोपी गिरफ्तार

वाराणसी। कोडीनयुक्त कफ सिरप मामले में वांछित राजा मेडिकल एंड सर्जिकल एजेंसी के संचालक सत्येंद्र साहू को सारनाथ पुलिस ने रविवार को सारनाथ से गिरफ्तार किया। प्रयागराज के मुट्ठीगंज थाना क्षेत्र के मालवीय नगर निवासी सत्येंद्र साहू ने शैली ट्रेडर्स से 40 हजार बोतल कफ सिरप खरीदी और 40 हजार बोतल कफ सिरप पीडी फार्मा को बेची। कुल 65 लाख रुपये मूल्य की कफ सिरप की खरीद फरोख्त की गई है। सत्येंद्र साहू के साथ जुड़कर काम करने वाले करीबियों को भी सारनाथ पुलिस ने रडार पर ले लिया है।

सारनाथ थाना प्रभारी पंकज त्रिपाठी ने बताया कि कोडीनयुक्त कफ सिरप के सरगना शुभम जायसवाल और शैली ट्रेडर्स के प्रोपराइटर भोला प्रसाद के साथ जुड़कर राजा मेडिकल एंड सर्जिकल एजेंसी के संचालक सत्येंद्र कुमार साहू कफ सिरप का काम करता था। पीडी फार्मा के जरिए सत्येंद्र कुमार साहू ने कोडीनयुक्त कफ सिरप की खरीद-बिक्री की है।

गिरफ्तार आरोपी सत्येंद्र कुमार साहू ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि वह शैली ट्रेडर्स से कफ सिरप खरीदकर सारनाथ थाना क्षेत्र के पीडी फार्मा के संचालक विष्णु पांडेय को बेचता था। शुभम जायसवाल पर प्राथमिकी दर्ज होने के बाद से ही वह भूमिगत हो गया था।

खुले नाले ने ली कारोबारी की जान

गाजियाबाद, करंट क्राइम : गाजियाबाद में लापरवाही ने कारोबारी की जान ले ली। नोएडा में युवराज की दर्दनाक मौत के बाद सिविक एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर बड़े सवाल खड़े हुए थे। उम्मीद की जा रही थी कि ऐसे हादसों से सबक लेकर आसपास के शहरों में सुरक्षा इंतजाम दुरुस्त किए जाएंगे, लेकिन गाजियाबाद की ताजा घटना ने इन उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। गाजियाबाद में पेशे से कारोबारी शंकरलाल गर्ग की मौत ने नगर निगम और प्रशासन की लापरवाही को एक बार फिर उजागर कर दिया। देर रात मंदिर दर्शन के लिए निकले शंकरलाल गर्ग की स्कूटी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खुले नाले में गिर गई। अंधेरा, पर्याप्त स्ट्रीट लाइट का अभाव और नाले पर सुरक्षा बैरिकेड न होने के कारण यह हादसा जानलेवा साबित हुआ। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि यदि नाले को ढका गया होता या चेतावनी संकेत लगे होते, तो शायद उनकी जान बच सकती थी।

यह घटना ऐसे समय पर सामने आई है जब हाल ही में जिला प्रशासन द्वारा सड़क किनारे हादसों के ब्लैक स्पॉट्स चिन्हित किए गए थे। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि इन स्थानों पर तुरंत सुधार कार्य कराए जाएं–नालों को ढकना, रेलिंग लगाना, स्ट्रीट लाइट ठीक करना और चेतावनी बोर्ड लगाना शामिल था। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। नोएडा में युवराज की मौत और अब गाजियाबाद में शंकरलाल गर्ग की दुर्घटना–दोनों मामलों में एक समानता साफ दिखती है: सिविक एजेंसियों की लापरवाही और जवाबदेही से बचने का रवैया। गाजियाबाद में तो आरोप है कि सिविक एजेंसी हादसे के बाद भी डिनायल मोड में है और जिम्मेदारी लेने से बच रही है। शहरवासियों का कहना है कि जब तक ऐसे हादसों के बाद ठोस कार्रवाई और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक हालात नहीं बदलेंगे।

नोएडा की घटना से सबक लेकर यदि समय रहते गाजियाबाद में सुरक्षा इंतजाम पुख्ता किए गए होते, तो शायद आज एक कारोबारी की जान न जाती। अब सवाल यह है कि क्या नोएडा और गाजियाबाद में लगातार हो रही ऐसी घटनाओं के बाद भी सिविक एजेंसियां सिर्फ कागजी कार्रवाई तक ही सीमित रहेंगी, या फिर जमीनी स्तर पर ठोस कदम उठाए जाएंगे? आम जनता जवाब और सुरक्षा–दोनों की मांग कर रही है।

24 Feb -26 page 3 23-02-26 10:32 PM Page 1

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...

भाजपा में मिला है वैश्य समाज को पूरा मान और सम्मान : अतुल गर्ग

जो बताते हैं समीकरण वो क्यों नहीं बताते वहां अपना नाम और काम

गाजियाबाद, करंट क्राइम। इन दिनों अक्सर ये आवाज उठ रही है और इस बात को लेकर कई जगह ये माहौल भी बन रहा है कि लोनी से लेकर मोदीनगर तक और मुरादनगर से लेकर साहिबाबाद तक एक भी विधायक वैश्य समाज से नहीं है। बताने वाले इस बात को बताते हैं और फिर वो समीकरण भी बताते हैं।

किसी भी विधानसभा में वोटों की संख्या बताई जाती है। किसी विधानसभा में संभावना बताई जाती है। आखिर इन सबके पीछे क्या चल रहा है और वैश्य समाज का प्रतिनिधित्व कैसा हो रहा है। इसको लेकर दैनिक करंट क्राइम ने लोकसभा सांसद अतुल गर्ग से बात की। अतुल गर्ग वैश्य समाज से आते है और उनका पूरा प्रोफाईल भाजपाई है। उनके पिता स्वर्गीय डीसी गर्ग दो बार गाजियाबाद के मेयर रहे हैं।

अतुल गर्ग स्वयं दो बार विधायक रहे हैं और वो उत्तर प्रदेश सरकार में खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री से लेकर स्वास्थ्य एवं परिवार

मुझे एक व्यक्ति ऐसा बताया जाये जो गैर वैश्य समाज से हो और वह इस बात को कह रहा हो कि भाजपा में एक भी विधायक वैश्य समाज से नहीं है।

कल्याण मंत्री रहे हैं। वो ऐसे विधायक हैं जिन्हें पार्टी ने सिटिंग सांसद का टिकट काटकर लोकसभा का टिकट दिया और वो 3 लाख से भी अधिक वोटों से चुनाव जीतकर सांसद बने। क्या वैश्य समाज से विधायक होना चाहिए, क्या पार्टी वैश्य समाज के नेताओं को पर्याप्त स्थान नहीं दे रही है। इन सब बातों का उत्तर लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने दिया। उन्होंने कहा जहां तक मुझे याद है पार्टी ने हमेशा से वैश्य समाज को सम्मान दिया है और वैश्य समाज की भागीदारी संगठन से लेकर सरकार में रही है। उन्होंने कहा कि मैं लोकसभा सांसद हूं और मैं वैश्य समाज से हूं। मेरे जैसे कार्यकर्ता को पार्टी ने विधानसभा का टिकट दिया।

सरकार में मंत्री पद दिया और लोकसभा का सांसद बनाया। ये तो बात हुई लोकसभा की और जहां तक राज्यसभा की है तो 6 महीने पहले तक राज्यसभा सांसद भी वैश्य समाज से थे। मेयर सुनीता दयाल वैश्य समाज से हैं। एमएलसी दिनेश गोयल वैश्य समाज से हैं और वो विधायक हैं। उन्होंने कहा कि जहां तक बात संगठन की है तो यहां पर जिलाध्यक्ष दिनेश सिंघल रहे हैं और वो वैश्य समाज से हैं। वर्तमान महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल वैश्य समाज से हैं। मुझे यह कहने में गर्व महसूस होता है कि पार्टी ने हमेशा से वैश्य समाज के नेताओं का ध्यान रखा है।

एक भी विधायक वैश्य ना होने वाली बात पर लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि मुझे एक व्यक्ति ऐसा बताया जाये जो गैर वैश्य समाज से हो और वह इस बात को कह रहा हो कि भाजपा में एक भी विधायक वैश्य समाज से नहीं है।

यहां लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि जो लोग कहीं भी जाकर इस बात को रखते हैं तो मेरा दावा है कि वो वैश्य समाज के ही लोग हैं और वो खुद अपने नाम को आगे बढ़ाने के लिए ये सारी कवायद कर रहे होंगे। भाजपा ने हमेशा से वैश्य समाज का सम्मान किया है और सरकार से लेकर संगठन में भागीदारी दी है। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि ऐसा नाम बताओ जो लखनऊ या दिल्ली में जाकर इस बात को रखे और वो खुद दावेदार ना हो। उन्होंने बताया कि कुछ चेहरे हैं जो अपनी बात को रखने के लिए इस तरह की बात रख रहे हैं। सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि जो भी चेहरे शीर्ष नेतृत्व तक जाकर ये माहौल बनाते हैं वो वहां पर अपना खुद का नाम और काम क्यों नहीं बताते। उन्हें अपना नाम बताना चाहिए और उद्देश्य बताना चाहिए।

ये बात ठीक नहीं है कि खुद को प्रमोट करने के लिए कोई पार्टी की विचारधारा को ही डिमोट करने लगे। पूरा वैश्य समाज भाजपा के साथ है और किसी भी प्रकार की कोई नाराजगी नहीं है। जो लोग एक भी विधायक वाली बात कह रहे हैं वो अगर एक बार संगठन से लेकर जनप्रतिनिधियों तक निगाह दौड़ायेंगे तो वो खुद को करैक्ट कर लेंगे।

क्या होली के बाद आ सकता है नामित पार्षदों वाली कृपा का कोई पैगाम

नदिया पार से लेकर लाईन पार तक होंगे कौन-कौन से नाम

गाजियाबाद, करंट क्राइम। सरकार अपने तीन साल पूरे कर चुकी है। इन तीन सालों में सीन ये रहा है कि पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता से लेकर पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता तक कृपा का इंतजार करते रहे हैं। कृपा कहां रूकी पड़ी है, ये किसी को नहीं पता। लेकिन तीन साल से कृपा का बादल उस गाजियाबाद में नहीं बरसा है जहां भाजपा पर जनता की मेहर बरसती है। यहां सबसे बड़ी जीत भाजपा को मिलती है। हर सीट पर भाजपा है और कार्यकर्ताओं के लिहाज से ये जिला सबसे शानदार माना जाता है। प्रधानमंत्री चुनावों में यहां रोड शो करते हैं, मुख्यमंत्री यहां रोड शो करते है। यहां जब संगठन तिरंगा यात्रा निकालता है तो इस थीम को इतना पसंद किया जाता है तो अन्य जिलों में भी इसी मॉडल को अपनाने की बात कही जाती है। आखिर जब इतनी खूबियां हैं तो आखिर ऐसा क्या है कि सरकार वाली कृपा का बादल यहां नहीं बरसता है। सरकार की दूसरी पारी में कई ऐसे मौके आये जब कृपा वाली लिस्ट जारी हुई। लेकिन गाजियाबाद में एक चेहरे को छोड़कर किसी का भी नाम इसमें नहीं था। ये चेहरा राजनारायण शुक्ला का है और उन पर जरूर किसी सरकारी पद की कृपा हुई। जिन चेहरों को लेकर अनुमान लगाया जा रहा था वो चेहरे आज भी इंतजार कर रहे हैं और कोई नाम नहीं आया। अब तो सूत्र बताते हैं कि संगठन वाले भी हैरान हैं और उन्होंने भी सबकुछ भगवान पर छोड़ दिया है। सूत्र बताते हैं कि संगठन वालों से दो बार नाम मांगे गये। वो अपने नाम लखनऊ भेज भी चुके हैं और फिर से नाम मंगाने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। सूत्र बताते हैं कि तीन साल के बाद अब फिर से नामित वाली कवायद शुरू हुई है। यहां से नाम मांगे जा सकते हैं क्योंकि लखनऊ में ये प्रक्रिया शुरू हो गई है। ऐसे में यहां भी पैगाम आयेगा। क्योंकि भाजपा एक मैसेज देना चाहती है कि उनके यहां प्रक्रिया सामुहिक होती है। लेकिन सूत्र बता रहे हैं कि सीन बड़ा ही विकट होगा। क्योंकि कुछ नहीं पता कि कौन सा चेहरा इस कृपा के निकट होगा। वैसे भी कई ऐसे चेहरे है जिनका नाम चर्चा में है लेकिन वो इस कृपा को पाना ही नहीं चाहते। कई तो विनम्र आग्रह कर चुके हैं कि तीन साल बीत चुके हैं और अब इस कृपा का कोई लाभ नहीं है। फिलहाल नामित पार्षद वाली लिस्ट को लेकर ये बताया जा रहा है कि होली के बाद ये लिस्ट जारी हो सकती है। इस लिस्ट में हिंडन पार से लेकर लाईन पार के नाम हैं। इस लिस्ट में दो महिला नेताओं के नाम भी शामिल हैं। इस लिस्ट में एक ठाकुर चेहरा आ सकता है। इसके अलावा लिस्ट में ब्राह्मण, वैश्य और त्यागी चेहरों का भी ध्यान रखा जायेगा। सूत्र बताते हैं कि संगठन से जुड़ा एक दलित चेहरा भी नामित पार्षद वाली इस लिस्ट में स्थान पा सकता है। हालांकि अभी नाम मांगे गये हैं और यहां से नाम गये हैं या नहीं गये हैं। इसको लेकर अभी सीन अधूरा है। सूत्र बताते हैं कि संगठन वाले पहले भी नाम भेज चुके हैं और ये भी हो सकता है कि संगठन से दोबारा नाम फिर से मांग लिये जायें।

किस भाजपा पार्षद के मौहल्ले में हो गये 17 करोड़ के प्रस्ताव निरस्त! क्या प्रतिशोध की ज्वाला में सुलग रहे हैं भाजपा के ये पार्षद

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में सरकार का होना बड़ी बात है। कहा ये जाता है कि सरकार अपनी है तो जनप्रतिनिधि के हर प्रस्ताव से अधिकारियों को एक लगाव होता है। सरकार का अपना एक मयार होता है। लेकिन अगर सरकार भी अपनी हो और तकरार भी अपनों के बीच हो रही हो तो इसके साईड इफैक्ट भी सामने आते हैं। केसरिया दल इस समय पूरी तरह से सत्ता का बल लिए हुए है। मगर यहां कमाल ये हो रहा है कि इस बल को आपस में ही एक दूसरे पर लगाया जा रहा है। एक भाजपा पार्षद के वार्ड में कहानी इतनी हार्ड हुई है कि उनके वार्ड में विकास के 17 करोड़ के प्रस्ताव एक झटके में निरस्त हो गये। सरकार भी अपनी, तकरार भी अपनी और प्रस्ताव निरस्त हो गये तो भाजपा पार्षद इस बात से बेहद आहत हैं। सूत्र बताते हैं कि वो इस समय प्रतिशोध की ज्वाला में सुलग रहे हैं। पार्षद अपने क्षेत्र के विकास को लेकर जनता के बीच वादे कर चुके थे। लेकिन उन्हें नहीं पता था कि जिन प्रस्तावों को वो रखेंगे, उन प्रस्तावों की केयर कोई और जनप्रतिनिधि भी कर लेगा। सूत्र बताते हैं कि यहां पर दिक्कत ये है कि विकास का पैगाम भी केसरिया फ्लावर वालों की ओर से था और यहां इसे निरस्त करने में भी फूल वालों का रोल बताया जाता है। बहरहाल जो कुछ भी हुआ अब चर्चा यही है कि केसरिया पार्षद एक झटके में निरस्त हुए अपने प्रस्तावों को लेकर सिस्टम पर नाराज हैं। वो कह रहे हैं कि हमें जनता को जवाब देना है और हम क्या जवाब दें कि हमारी ही सरकार में हमारे साथ ऐसा हो गया।

ग्रुप से लेफ्ट होने के बाद हुआ है सीन कुछ ऐसा टाईट

करंट क्राइम। 17 करोड़ के प्रस्ताव एक झटके में निरस्त हो गये। तलाशने वाले इसकी वजह तलाश रहे हैं और सूत्र बताते हैं कि दोनों ही तरफ सबकुछ ठीक नही चल रहा है। वकील साहब भी प्रतिशोध में हैं और बताते हैं कि किस्से में रोल व्हाट्सऐप का है। दरअसल एक ग्रुप है जिसमें पार्षद भी जुड़े हैं। यहां पहले भी कई पार्षद इस ग्रुप से लेफ्ट हुए हैं। एक्जिट होने वाला खेल चलता रहता है। तर्क ये दिया जाता है कि इस ग्रुप पर काम की बात नहीं होती है। ये भी कहा जाता है कि एकता का नारा तो दिया जाता है लेकिन एकता कायम नहीं होती। तभी तो ये हाल है कि एक पार्षद के यहां विकास कार्य प्रस्तावित हो जाते हैं और दूसरे के यहां प्रस्तावित नहीं होते। सूत्र बताते हैं कि अंदरखाने शीत युद्ध चल रहा है। मुद्दों को लेकर कहीं नाराजगी है तो कहीं व्यवहार को लेकर चर्चा है। बताते हैं कि इस ग्रुप से जुड़े एक पार्षद के वार्ड में 17 करोड़ का काम आया। लेकिन यहां पर किसी की नाराजगी का बम फूट गया और ऐसा फूटा कि 17 करोड़ के प्रस्ताव एक झटके में निरस्त हो गये। सूत्र बताते हैं कि अभी दो दिन पहले यहां किसी ने ग्रुप से लेफ्ट मार दिया था। लेफ्ट होने के बाद से सीन टाईट चल रहा था और इसी बीच किसी ने ग्रुप को लेफ्ट मार दिया।

विकास नहीं होगा तो जनता को क्या जवाब देंगे

करंट क्राइम। एक झटके में एक मौहल्ले में 17 करोड़ से होने वाले विकास कार्य निरस्त हो गये। चर्चा है कि पार्षद हैरान है और हैरानी की वजह ये है कि उसकी सरकार है और उसी सरकार में उसके अपने वार्ड के कार्य निरस्त हो गये। चर्चा है कि एक सामान्य जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र में विकास कराता है। अब जब वार्ड के विकास कार्य निरस्त हो गये। हालांकि प्रस्ताव निरस्त होने की पुष्टि अखबार नहीं कर रहा है। अब वो पार्षद भी कह रहे हैं कि आखिर में अपने वार्ड की जनता को क्या जवाब दूंगा। एक झटके में सारे प्रस्ताव निरस्त हुए हैं। वो भी ये जानना चाहते हैं कि आखिर 17 करोड़ के विकास कार्य वाले प्रस्ताव कैसे निरस्त हो गये और अब सब ये जानना चाहते हैं कि गेम में आगे क्या होगा। वार्ड में अगर पार्षद नाराज होते हैं तो इनकी नाराजगी का पता चलता है। सूत्र बताते हैं कि ये भगवा मैम्बर गुस्से के काफी टाईट हैं और ये माना जा रहा है कि इनकी नाराजगी जरूर बाहर आयेगी।

नदिया पार के तीन वार्डों से होते हुए अब होगा चौधरी साहब की मूर्ति कथा का अंत

पप्पू पहलवान के वार्ड में लगेगी मूर्ति और 23 मार्च को आ रहे हैं जयंत

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नदिया पार के तीन वार्डों में देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की मूर्ति लगने वाली कथा का अब अंत होने जा रहा है। चौधरी जयंत इसका उद्घाटन करने आ रहे हैं। अनावरण का रोचक पहलू ये है कि मूर्ति के लिए सहयोग किसी और ने एकत्र किया और वादा किसी और ने किया मगर मूर्ति की स्थापना कोई और पार्षद करवा रहा है। तीन वार्डों से ये मूर्ति की कथा गुजरी है। सूत्र बताते हैं कि पार्षद ने सबसे पहले चौधरी साहब की मूर्ति लगवाने की घोषणा की। उन्होंने इसके लिए अभियान भी शुरू किया और क्षेत्र के लोग भी आगे आये। सहयोग भी एकत्र हो गया मगर जब मूर्ति की बेला आई तो सीन बड़ा विचित्र हो गया। मौहल्ले वाले कहते हैं कि हो सकता है फोटो देते समय गलती से मिस्टेक हो गई हो। वरना मूर्तिकार तो वही मूर्ति बनायेगा, जो कहा जायेगा। सूत्र बताते हैं कि युवा पार्षद ने सहयोग मिल जाने के बाद अपनी माता की मूर्ति बनवा दी और इस मूर्ति को वार्ड में स्थापित भी करवा दिया। सहयोग वाला योग क्या है और सहयोग को किस प्रकार से प्रयोग किया गया, ये बात तो पार्षद बेहतर जानते होंगे। मूर्ति की कहानी में दूसरा बड़ा मोड तब आया जब इस कहानी में वार्ड 82 वाले पहलवान आ गये। वार्ड 82 के पहलवान ने ऐलान किया कि चौधरी साहब की मूर्ति हम बनावायेंगे और उसे हम लगवायेंगे। मूर्ति बनती और लगती इससे पहले ही कहानी में बदलाव का गियर डल गया और अब मूर्ति तीसरे वार्ड में जा पहुंची। ये वार्ड भाजपा के महानगर महामंत्री पप्पू पहलवान का है। उनकी पत्नी ओमवती यहां से निगम पार्षद हैं। एक ने मूर्ति बनाने का ऐलान किया मगर मूर्ति निर्माण के समय ही मूर्ति का चेहरा बदल गया। दूसरे ने कहा था कि हम लगवायेंगे, मगर वो लगवा नहीं पाये। मगर यहां पप्पू पहलवान ने स्पीड दिखाई है। वो अपनी बात पर खरे उतरे हैं और बताते हैं कि उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा स्थापित करने की तारीख तक तय कर दी है। वो रालोद मुखिया चयंत चौधरी से मूर्ति अनावरण का समय भी ले आये हैं। मूर्ति भी तैयार है। 23 मार्च को रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी पप्पू पहलवान के वार्ड में आयेंगे और अपने दादा तथा देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की मूर्ति का अनावरण करेंगे।

पेंटिंग के जरिए गाजियाबाद शहर को मिल रही नई पहचान

धार्मिक आस्था, खेल गौरव और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहा है नगर निगम

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शहर को साफ, हरा-भरा और सुंदर बनाने की दिशा में गाजियाबाद नगर निगम द्वारा चलाया जा रहा क्लीन ग्रीन अभियान अब केवल स्वच्छता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह शहर की दीवारों पर रंगों के माध्यम से सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय चेतना का संदेश दे रहा है। नगर निगम द्वारा शहर के प्रमुख चौराहों, फ्लाईओवरों और दीवारों पर कराई जा रही भव्य पेंटिंग्स न केवल सौंदर्य बढ़ा रही हैं, बल्कि राहगीरों को ठहरकर सोचने पर भी मजबूर कर रही हैं—कहीं धार्मिक आस्था झलकती है, कहीं पर्यावरण संरक्षण का आह्वान और कहीं खेल जगत के स्वर्णिम इतिहास की प्रेरक झांकी। हापुड़ रोड तिराहे पर भगवान शिव के विभिन्न स्वरूपों के साथ 11 ज्योतिलिंगों को आकर्षक चित्रों में उकेरा गया है। साथ ही प्रमुख शक्तिपीठों को भी दशार्या गया है।

इन कलाकृतियों का उद्देश्य केवल धार्मिक प्रतीकों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान और जनमानस में आध्यात्मिक चेतना को सशक्त करना है। रात के समय लाइटिंग के साथ यह स्थल एक दिव्य स्वरूप में नजर आता है।

पुराने बस अड्डे पर क्रिकेट इतिहास को सलाम

करंट क्राइम : पुराने बस अड्डे के फ्लाईओवर की दोनों ओर 1983 क्रिकेट विश्व कप विजेता भारतीय टीम की भव्य पेंटिंग्स बनाई गई हैं। इनमें कप्तान कपिल देव, महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर सहित उन सभी खिलाड़ियों को सम्मानपूर्वक दशार्या गया है, जिन्होंने भारत को पहला विश्व कप दिलाया। यह ऐतिहासिक उपलब्धि 1983 लीजेंटस के रूप में आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणा है। दिन में ये पेंटिंग्स जीवंत दिखती हैं और रात में रोशनी से जगमगाकर दूर से ही लोगों का ध्यान खींचती हैं, जिससे खेल भावना और राष्ट्रीय गौरव दोनों को बल मिलता है।

नए गाजियाबाद फ्लाईओवर पर हरियाली और वन संरक्षण का संदेश

करंट क्राइम : नए गाजियाबाद फ्लाईओवर की फ्लावर दीवारों पर विलुप्त होते वन्य जीवों और हरियाली के महत्व को प्रभावशाली चित्रों के माध्यम से दशार्या गया है। इन पेंटिंग्स में यह संदेश दिया गया है कि प्रकृति का संरक्षण ही शहर की असली सुंदरता और भविष्य की सुरक्षा है। यह पहल पर्यावरण के प्रति नागरिकों को जागरूक करने की दिशा में एक मजबूत कदम मानी जा रही है।

मेयर और नगर आयुक्त के नेतृत्व की सोच, शहर की नई तस्वीरें

करंट क्राइम : इस पूरे अभियान को सफल बनाने में महापौर सुनीता दयाल की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही है। वहीं नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के कुशल मार्गदर्शन में शहर को क्लीन, ग्रीन और विजुअली आकर्षक बनाने की यह योजना तेजी से आगे बढ़ रही है। नगर निगम की यह पहल गाजियाबाद की बदलती पहचान को दशार्ती है—जहां अब दीवारें सिर्फ ईंट-सीमेंट नहीं, बल्कि विचार, प्रेरणा और संदेश बोल रही हैं। धर्म, खेल और पर्यावरण—तीनों को एक सूत्र में पिरोता यह अभियान गाजियाबाद को केवल सुंदर ही नहीं, बल्कि संवेदनशील, जागरूक और प्रेरणादायक शहर के रूप में स्थापित कर रहा है।

संपादकीय

ट्रंप टैरिफ गैरकानूनी घोषित

अमरीका की सुप्रीम कोर्ट ने बहुमत से राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ को खारिज कर दिया था। उसे गैर-कानूनी करार दिया गया और संवैधानिक शक्तियों का अतिक्रमण माना गया। शीर्ष अदालत ने 6-3 के बहुमत के साथ व्याख्या की कि टैरिफ लगाने का विशेषाधिकार राष्ट्रपति को नहीं है। सिर्फ अमरीकी कांग्रेस (संसद) ही टैरिफ पर कोई निर्णय ले सकती है। राष्ट्रपति ट्रंप ने जिस आईईईपीए कानून के तहत देशों पर टैरिफ लगाए हैं, वे अवैध हैं। ये आपातकालीन आर्थिक शक्तियां युद्धकालीन ही हैं अथवा कोई आपदा का दौर हो। तब भी राष्ट्रपति सिर्फ आयात को नियंत्रित कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला राष्ट्रपति ट्रंप के अधिकारों के दुरुपयोग को बेनकाब करता है, क्योंकि टैरिफ की घुड़कियां दिखा कर ट्रंप विभिन्न देशों को धमकाते रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने सर्वोच्च अदालत के इस आदेश के बावजूद हार नहीं मानी। वह एक अलग किस्म के अहंकारी और एकाधिकारवादी राष्ट्राध्यक्ष हैं, लिहाजा उन्होंने पहले 10 फीसदी और फिर पलट कर 15 फीसदी टैरिफ सभी देशों पर थोपने का ऐलान किया। ट्रंप ने अदालती आदेश को ह्यशर्मनाकह्न, ह्यअलोकतांत्रिक, निराशाजनक करार दिया। यहां तक कह दिया कि जज संविधान के प्रति वफादार नहीं हैं। क्या राष्ट्रपति अदालत और न्यायाधीशों पर ऐसी टिप्पणी कर सकते हैं? राष्ट्रपति ट्रंप के 358 फैसलों में से 149 फैसलों पर पूर्ण अथवा आंशिक रोक अदालत लगा चुकी है। बहरहाल अब 24 फरवरी से सभी देशों पर 15 फीसदी टैरिफ लागू होगा और वह 150 दिन (24 जुलाई) तक ही जारी रह सकता है। उसके बाद संसद की स्वीकृति लेना अनिवार्य होगा। ट्रंप ने जिस ट्रेड एक्ट की धारा 122 के तहत नए 15 फीसदी टैरिफ लगाए हैं, उनकी अधिकतम सीमा ही 15 फीसदी है। ट्रंप उससे ज्यादा टैरिफ लगा ही नहीं सकते। अमरीकी राष्ट्रपति के इस नए आदेश और ऐलान के बाद भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय का इतना ही बयान सामने आया है कि तमाम बिंदुओं का अध्ययन किया जा रहा है। सवाल है कि अब नई परिस्थितियों में भारत क्या करेगा? उसके सामने विकल्प क्या हैं? भारत पर 3.3 फीसदी अमरीकी टैरिफ पहले से है। फिर 50 फीसदी तक टैरिफ ले जाया गया। जब भारत-अमरीका व्यापार समझौते पर शुरूआती सहमति बन गई, तो राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ घटा कर 18 फीसदी कर दिया। अब भी वह कह रहे हैं कि भारत टैरिफ देगा और अमरीका पर कोई टैरिफ नहीं लगेगा। यह कैसा द्विपक्षीय व्यापार समझौता है? अभी दोनों देशों के बीच समझौते के प्रारूप, मसविदे पर सहमति ही बनी है, अंतिम समझौता नहीं हुआ है, क्योंकि किसी भी दस्तावेज पर अधिकृत हस्ताक्षर नहीं किए गए हैं। इन परिस्थितियों में भारत व्यापार समझौते पर अमरीका के साथ दोबारा बातचीत करेगा अथवा अमरीकी आदेशों का ही पालन करेगा, यह बेहद महत्वपूर्ण सवाल है। यदि अमरीका समझौते की नई शर्तों पर सहमत नहीं होता है, तो क्या समझौता ही खटाई में पड़ सकता है?

बढ़त के साथ बंद हुआ बाजार सेंसेक्स 480 अंक उछला

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को हरे निशान पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 479.95 अंक उछलकर 83,294.66 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 141.75 अंक की बढ़त के साथ 25,713.00 पर बंद हुआ। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को भारतीय बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रंप प्रशासन के व्यापक टैरिफ को रद्द करने के बाद निवेशकों की भावना में सुधार होने के कारण, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, ऑटो और वित्तीय शेयरों में तेजी के चलते सोमवार को इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी उच्च स्तर पर बंद हुए। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 7 पैसे बढ़कर 90.87 पर बंद हुआ।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 479.95 अंक या 0.58 प्रतिशत चढ़कर 83,294.66 पर बंद हुआ। सत्र के दौरान, बेंचमार्क 671.44 अंक या 0.81 प्रतिशत उछलकर 83,486.15 के अंतर्दिवस उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 141.75 अंक या 0.55 प्रतिशत बढ़कर 25,713 पर बंद हुआ। इंट्राडे सत्र में, यह 200.2 अंक या 0.78 प्रतिशत बढ़कर 25,771.45 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल : सेंसेक्स पैक में अदानी पोर्ट्स सबसे बड़ा लाभ कमाने वाला शेयर रहा, जिसमें 2.98 प्रतिशत की वृद्धि हुई, इसके बाद कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावरग्रिड, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा और लार्सन एंड टुब्रो प्रमुख लाभ कमाने वाले शेयर रहे। दूसरी ओर, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, ट्रेंट, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बजाज फिनसर्व, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईटीसी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, इटरनल, टाटा स्टील और इंडिगो को घाटा हुआ।

ट्रंप के टैरिफ में हुए बदलावों का असर पड़ा : जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रंप की पारस्परिक टैरिफ नीति के खिलाफ दिए गए फैसले का घरेलू बाजारों ने स्वागत किया है। निवेशक ट्रंप की संशोधित रणनीति और अन्य देशों द्वारा पुनर्विचार की संभावनाओं के बारे में और अधिक स्पष्टता की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि कमजोर अमेरिकी डॉलर और गिरती 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड वैश्विक बाजार में अल्पकालिक सतर्कता को बढ़ा सकती है।

बुढ़ापे में बीमारी और बिल से मिलेगी आजादी: एनपीएस ला रहा है मेडिकल पेंशन पूल

नई दिल्ली। बुढ़ापे में सबसे बड़ा डर बीमारी और बढ़ते अस्पताल खर्च का होता है। इसी चिंता को दूर करने के लिए ढत्रश्नक्च्अ एनपीएस में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। स्वास्थ्य पहल के तहत अब आपकी पेंशन बचत का एक हिस्सा मेडिकल सुरक्षा के लिए अलग रखा जा सकेगा।

बुढ़ापे की सबसे बड़ी चिंता होती है बीमारी और बिल। पेंशन नियामक ढत्रश्नक्च्अ एक ऐसी योजना पर काम कर रहा है, जो आपके रिटायरमेंट को 'बीमारी और बिल' के डर से आजाद कर सकती है। इसे नाम दिया गया है स्वास्थ्य पहल। अब आपका ठढर निवेश सिर्फ रिटायरमेंट फंड नहीं, बल्कि एक मेडिकल पेंशन पूल भी बनेगा।

क्या है यह नया मेडिकल पेंशन मॉडल?

PFRDA का कहना है कि अब ठढर सिर्फ एक रिटायरमेंट फंड नहीं रहेगा। तीन बड़े फंड मैनेजर, ICICI, Axis और Tata ऐसे उत्पादों पर प्रयोग कर रहे हैं, जो पेंशन को हेल्थ इंश्योरेंस के साथ बंडल करेंगे। नई योजना के तहत, एक निवेशक अपनी पेंशन बचत का 30% हिस्सा विशेष रूप से भविष्य के मेडिकल खर्चों के लिए अलग रख सकेगा। यानी यह पैसा सिर्फ और सिर्फ आपके बुढ़ापे के इलाज के लिए समर्पित होगा।

कुल NPS फंड का बंटवारा

70% हिस्सा : नियमित मासिक पेंशन के लिए।
30% हिस्सा : समर्पित मेडिकल पेंशन पूल के लिए।
फायदा : रिटायरमेंट के बाद इलाज के लिए अपनी मूल बचत को हाथ लगाने की जरूरत नहीं।

बढ़ेगी मोलभाव करने की ताकत

NPS के पास फिलहाल करीब 1 करोड़ सब्सक्राइबर्स का आधार है। जब इतने सारे लोग एक साथ किसी इंश्योरेंस कंपनी या अस्पताल के पास जाएंगे, तो फंड मैनेजर्स बेहतर डील्स के लिए 'नेगोशिएट' कर पाएंगे।

सस्ता टॉप-अप : बाजार से कम रेट पर हेल्थ इंश्योरेंस टॉप-अप।
हॉस्पिटल डील्स : अस्पतालों के लिए भी यह फायदे का सौदा होगा क्योंकि उन्हें CGHS की तरह महीनों इंतजार नहीं करना पड़ेगा, पैसा इलाज के तुरंत बाद मिल जाएगा। इसके बदले वे मरीजों को डिस्काउंट और बेहतर सुविधाएं देंगे।

सिर्फ हेल्थ नहीं, रिटर्न पर भी नजर

महंगाई के दौर में सिर्फ पैसा बचाना काफी नहीं है, उसे बढ़ाना भी जरूरी है। PFRDA अब आपके पैसे को सिर्फ सरकारी बॉन्ड्स तक सीमित नहीं रखना चाहता। नियामक अब रियल एस्टेट, प्रोजेक्ट फाइनेंस और अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड्स में 5% तक निवेश की अनुमति दे रहा है। अब आपके बुढ़ापे की पूंजी में 1% तक हिस्सा गोल्ड और सिल्वर ETF का भी हो सकेगा।

रोचक तथ्यों का करंट

- प्रिंस चाल्स और प्रिंस विलियम्स ट्रैवलिंग के लिए हमेशा अलग-अलग प्लेन का प्रयोग करते हैं। इसकी बड़ी वजह यह है कि कभी प्लेन क्रैश हो जाए तो दोनों में से कोई एक तो जीवित रहेगा ही।
- घड़ी एक ऐसी चीज है जो हर जगह होती है। आप पार्टी कर रहे हों या मीटिंग में हों, समय की पाबंदी हर जगह होती है। इस नियम को तोड़ते हुए लॉसवेगास के एक कसीनो ने किसी भी तरह की घड़ी नहीं लगाई है। कसीनो के मालिक का मानना है कि यहां आप समय की पाबंदी के बिना मस्ती कर सकते हैं।
- तानाशाह जर्मन शासक हिटलर बचपन में पादरी बनना चाहता था. सबसे बड़ी बात कि जिस इंसान से आज भी लोग खौफ खाते हैं, उसे बिल्लियों से डर लगता था। यही डर नेपोलियन को भी था।
- जियोलॉजिस्ट चार्ल्स डार्विन ज्यादातर उन सभी जानवरों को खाते भी थे, जिनकी उन्होंने खोज की थी।
- दुनिया का सबसे बड़ा परिवार भारत में रहता है। इस परिवार में एक व्यक्ति की 39 पत्नियां और 94 बच्चे हैं। यह सभी लोग 100 कमरों के 4 मंजिला घर में रहते हैं।
- हॉलीवुड स्टार ब्रैड पिट को फिल्म 'सेवेन ईयर इन तिब्बत' में काम करने की वजह से चीन में जाने की पाबंदी है।
- तानाशाही शासक के तौर पर पहचान रखने वाले सद्दाम हुसैन के बारे में आपको यह नहीं पता होगा वह लेखक भी थे। सद्दाम ने Zabiba and the King नाम की किताब लिखी था, जो 2000 में प्रकाशित हुई।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का ट्रंप को बड़ा झटका

टैरिफ नीति अवैध करार

नई दिल्ली। वैश्विक व्यापार के लिए एक बड़े घटनाक्रम में, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रमुख टैरिफ नीति को बड़ा झटका देते हुए उनके व्यापक आयात शुल्क को अवैध करार दिया है। इस ऐतिहासिक फैसले के तुरंत बाद, चीन ने अमेरिका से सभी एकतरफा टैरिफ वापस लेने की मांग की है। इस बीच, ट्रंप प्रशासन ने कानूनी रूप से मान्य नए 15 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है, जिससे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापारिक तनाव फिर से गहराने की आशंका है।

शुक्रवार को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाया कि राष्ट्रपति ट्रंप के पास 1977 के 'इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पॉवर्स एक्ट' के तहत लगभग सभी अमेरिकी व्यापारिक भागीदारों से आने वाले सामानों पर व्यापक आयात शुल्क लगाने का अधिकार नहीं है।

अदालत का तर्क : चीफ जस्टिस जॉन रॉबर्ट्स ने बहुमत का फैसला लिखते हुए स्पष्ट किया कि आईईईपीए आयात को विनियमित करने का अधिकार देता है, लेकिन इसमें टैरिफ या शुल्कका कोई जिक्र नहीं है।

अधिकार क्षेत्र का अभाव : चीफ जस्टिस रॉबर्ट्स ने लिखा, सरकार ने ऐसे किसी कानून की ओर इशारा नहीं किया है जिसमें कांग्रेस ने कराधान को अधिकृत करने के लिए 'विनियमित' शब्द का उपयोग किया हो। अब तक किसी भी राष्ट्रपति ने को इस तरह की शक्ति प्रदान करने वाला नहीं माना है।

हालांकि, 9 जजों की बेंच में जस्टिस ब्रेट कैवानुघ, क्लेरेंस थॉमस और सैमुअल अलिटो ने इस फैसले से असहमति जताई।

चीन की तीखी प्रतिक्रिया और चेतावनी

इस फैसले के बाद चीन के वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने सोमवार को कहा कि चीन हमेशा से किसी भी रूप में एकतरफा टैरिफ बढ़ोतरी का विरोध करता रहा है।

होली पर इस साल कारोबारियों की होगी बल्ले-बल्ले 80 हजार करोड़ का बिक्री का कैट ने किया दावा

नई दिल्ली। खंडेलवाल ने इस बात पर जोर दिया कि भारत में त्योहार आर्थिक गतिविधियों को काफी हद तक बढ़ावा देते हैं और बड़े पैमाने पर व्यावसायिक अवसर पैदा करते हैं। उन्होंने कहा, 'इस बार की होली से देशभर के व्यापारियों, खुदरा विक्रेताओं, छोटे व्यवसायों, कुटीर उद्योगों और एमएसएमई क्षेत्र को पर्याप्त लाभ पहुंचाने के साथ-साथ स्वदेशी व्यापार की भावना के मजबूत होने की उम्मीद है।' अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (सीएआईटी) के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने रविवार को कहा कि आगामी होली के त्योहार से इस वर्ष पूरे भारत में 80,000 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि ये पिछले वर्ष के अनुमानित 60,000 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा देने की अपील के कारण इस होली पर बाजारों में भारत में बने उत्पादों का दबदबा है। भारत में निर्मित हर्बल गुलाल, प्राकृतिक रंग, पिचकारी, गुब्बारे, पूजा सामग्री, चंदन, परिधान और विभिन्न उत्सव संबंधी वस्तुओं की मांग में भारी वृद्धि देखी जा रही है, जबकि चीनी वस्तुओं की बाजार में मांग 2021 से काफी कम हो गई है। 'वोकल फॉर लोकल' अभियान से मिला स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा

होली से जुड़ी वस्तुओं के साथ-साथ, बाजारों में मिठाइयों, सूखे मेवों, उपहारों, फूलों, फलों, कपड़ों, फर्नीचर के कपड़ों, किराना सामान, एफएमसीजी उत्पादों और टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं की भी भारी मांग देखी जा रही है।

होली खेलने के लिए सफेद टी-शर्ट, कुर्ता-पायजामा और सलवार सूट, साथ ही 'हैप्पी होली' प्रिंट वाली टी-शर्ट की भी खूब बिक्री हो रही है। सीएआईटी के अनुमानों के अनुसार, अकेले दिल्ली में त्योहारी व्यापार 15,000 करोड़ रुपये से अधिक होने की उम्मीद है।

शहर भर के बाजारों में भारी भीड़ उमड़ रही है, क्योंकि दुकानों में रंग-बिरंगे गुलाल, आकर्षक पिचकारी, गुजिया और त्योहारी उपहार पैक प्रदर्शित किए जा रहे हैं।

देशभर में बड़ी संख्या में हो रहे होली समारोह

सीएआईटी ने कहा, 'मिठाई की दुकानों में भी मांग में भारी उछाल देखा जा रहा है, खासकर गुजिया जैसी पारंपरिक होली की मिठाइयों की।' खंडेलवाल ने कहा कि देशभर में होली का उत्सव बड़े पैमाने पर आयोजित होता है। अकेले दिल्ली में ही व्यापारिक संगठनों, सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक संगठनों द्वारा 3,000 से अधिक होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। होली समारोह के लिए बैंक्वेट हॉल, फार्महाउस, होटल, रेस्तरां और सार्वजनिक पार्क लगभग पूरी तरह से बुक हो चुके हैं। उन्होंने यह भी बताया कि दिल्ली में 3 मार्च को 'होलिका दहन' और 4 मार्च को रंगों का त्योहार मनाया जाएगा। उपभोक्ता तेजी से हर्बल और प्राकृतिक रंगों को पसंद कर रहे हैं, जबकि बच्चे विशेष रूप से 'स्पाइडरमैन' और 'छोटा भीम' जैसे पात्रों वाली पिचकारियों की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

राशिफल

मेष : कोर्ट के मामले से दूर रहें। खास लोगों से मुलाकात होगी। क्रोध पर संयम रखें। परिवार से सहयोग मिलेगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मसम्मान बढ़ेगा।

वृष : पदोन्नति के योग हैं। पुराने अटके काम पूरे होंगे। मान-सम्मान मिलेगा। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी।

मिथुन : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। अपनों के साथ संयम से व्यवहार करें। पुराना रोग उभर सकता है। बनते कामों में बाधा संभव है। गुस्से पर काबू रखें।

कर्क : थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। कार्य की प्रशंसा होगी। रुके कार्य बनने लगेंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। जोखिम-जमानत के कार्य टालें। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

सिंह : घर में मेहमानों का आना-जाना लगा रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। मान बढ़ेगा। प्रतिद्वंद्वी शांत रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

कन्या : भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। थकान महसूस होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

तुला : योजना फलीभूत होगी जिसका लाभ तत्काल नहीं मिलेगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। आलस्य का अनुभव होगा।

वृश्चिक : कोर्ट व कचहरी के मामले सुलझ सकते हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत होगी। क्रोध न करें। उच्चाधिकारी संतुष्ट नहीं होंगे। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

धनु : परेशानी बढ़ने का समय है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों के भरोसे कार्य न करें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। कुसंगति से बचें।

मकर : तीर्थदर्शन की योजना बनेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। आय के स्रोत बढ़ेंगे। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रतिद्वंद्वी शांत रहेंगे। व्यवसाय ठीक रहेगा।

कुंभ : वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

मीन : यात्रा लाभदायक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। राजकीय बाधा दूर होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। आलस्य हावी रहेगा।

चुटकुले

पत्नी : सुनो जी, मैं गुस्से में हूँ!
पति : क्यों?
पत्नी : तुमने मेरा मैसेज सीन करके रिप्लाई नहीं किया!
पति : डर गया था!

दोस्त : भाई, तू इतना रिलैक्स कैसे रहता है?
गोलू : क्योंकि टेंशन लेने से कुछ नहीं होता।
दोस्त : फिर?
गोलू : टेंशन देने से बहुत कुछ होता है!

मरीज : डॉक्टर साहब, मुझे हर वक्त भूख लगती है।
डॉक्टर : कब से?
मरीज : जब से होश संभाला है।
डॉक्टर : फिर ये बीमारी नहीं, शौक है!

मोनू : मेरा फोन अपने आप साइलेंट हो जाता है।
गोलू : क्यों?
मोनू : शायद समझ गया है–
कुछ कॉल उठाना सेहत के लिए हानिकारक है!

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

टी20 में जीत के बाद अब वनडे की अग्निपरीक्षा

ब्रिस्बेन में होगा पहला घमासान

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर अपने हौसले और जज्बे का शानदार प्रदर्शन करते हुए टी20 सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है। बारिश से प्रभावित पहले मैच में भारत ने डकवर्थ लुईस नियम के तहत 21 रनों से जीत दर्ज की थी, हालांकि ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे मैच में 19 रनों से पलटवार कर सीरीज बराबर कर दी। लेकिन निर्णायक मुकाबले में हरमनप्रीत कौर की सेना ने धैर्य नहीं खोया और 17 रनों की शानदार जीत के साथ टी20 ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

अब भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच 24 फरवरी से तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जानी है। ऐसे में जानते हैं फैंस कैसे और कहां भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया महिला टीम के बीच वनडे सीरीज का पहला मैच लाइव देख सकते हैं? अगर ऐतिहासिक आंकड़ों पर नजर डालें, तो वनडे फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा एकतरफा रहा है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 61 वनडे मैच खेले गए हैं, जिनमें से 49 बार ऑस्ट्रेलिया ने बाजी मारी है, जबकि भारत केवल 12 मैच ही जीत सका है। हालांकि, मौजूदा भारतीय टीम की फॉर्म और आत्मविश्वास को देखते हुए इन आंकड़ों के बदलने की पूरी उम्मीद है।

ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर टक्कर

ब्रिस्बेन का गाबा मैदान अपनी गति और उछाल के लिए जाना जाता है। भारत के पास स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा जैसी आक्रामक ओपनिंग जोड़ी है, जबकि गेंदबाजी में रेणुका सिंह और दीप्ति शर्मा की भूमिका अहम होगी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की ओर से एलिस पेरी, बेथ मूनी और ताहलिया मैक्ग्रा जैसे दिग्गज खिलाड़ी भारत के लिए बड़ी चुनौती पेश करेंगे।

राजस्थान रॉयल्स ने किया नए कप्तान का ऐलान

जडेजा-यशस्वी नहीं... इस धुरंधर को मिली जिम्मेदारी

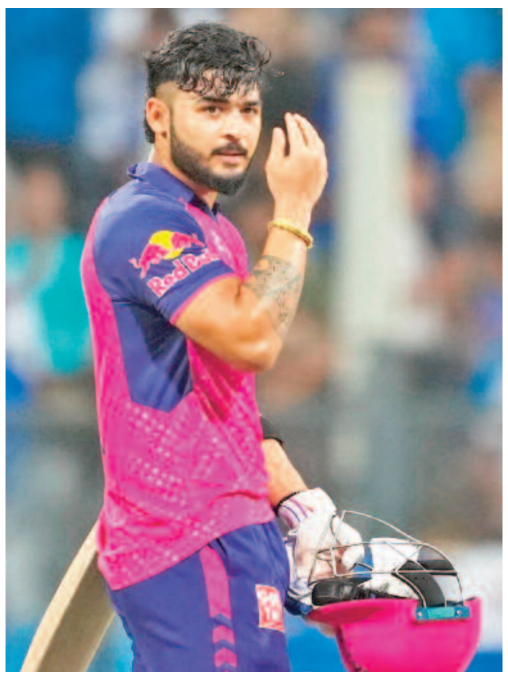

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स ने बड़ा फैसला लेते हुए ऑलराउंडर रियान पराग को टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है। यह बदलाव तब हुआ जब लंबे समय तक टीम की कप्तानी संभालने वाले संजू सैमसन को ट्रेड के जरिए चेन्नई सुपर किंग्स में भेज दिया गया। इस ट्रेड डील में रवींद्र जडेजा और सैम करन राजस्थान की टीम में शामिल हुए हैं। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भी कप्तान बनने के दावेदार थे, लेकिन 24 साल के रियान पराग पर फ्रेंचाइजी ने भरोसा जताया। रियान इससे पहले भी राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर चुके हैं। पिछले सीजन में जब संजू सैमसन चोट के कारण आठ मैच नहीं खेल पाए थे, तब रियान ने टीम की कमान संभाली थी।

उस दौरान आठ मुकाबलों में से राजस्थान रॉयल्स को दो में जीत मिली थीं। हालांकि रियान पराग ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 38.57 की औसत से रन बनाए और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ ईडन गार्डन्स में 95 रन बनाए थे, जो उनके आईपीएल करियर का बेस्ट परफॉर्मेंस रहा।

रियान पराग ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 38.57 की औसत से रन बनाए और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ ईडन गार्डन्स में 95 रन बनाए थे, जो उनके आईपीएल करियर का बेस्ट परफॉर्मेंस रहा।

नए कप्तान के चयन से पहले राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच कुमार संगकारा ने कई खिलाड़ियों के इंटरव्यू लिए थे, जिसके बाद रियान पराग को अंतिम रूप से कप्तान चुना गया। फ्रेंचाइजी में कोचिंग सेटअप में बदलाव भी हुआ है क्योंकि राहुल द्रविड़ ने 2025 सीजन के बाद टीम से अलग होने का फैसला किया था। उस सीजन में 2008 की चैम्पियन राजस्थान रॉयल्स सिर्फ चार जीत के साथ अंकतालिका में 9वें नंबर पर रही थी।

2019 में आईपीएल डेब्यू करने के बाद से रियान पराग लगातार राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने अब तक राजस्थान रॉयल्स के लिए 84 मैचों में 26.10 की औसत से 1566 रन बनाए और 7 विकेट लिए। 2024 सीजन रियान के लिए सबसे शानदार रहा, जिसमें उन्होंने 52.09 की औसत और 149.21 की स्ट्राइक रेट से 573 रन बनाए थे।

संजू सैमसन ने 11 सीजन तक राजस्थान रॉयल्स का प्रतिनिधित्व किया। पिछले आईपीएल के बाद उन्होंने बदलाव की इच्छा जताई थी और रिलीज होने का संकेत दिया था, जिसके बाद यह बड़ा ट्रेड संभव हुआ।

भारत के अति आत्मविश्वास को लेकर खफा हुए गावस्कर, परिस्थितियों के अनुसार खेलने की दी सलाह

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत को मिली हार के बाद टीम को लगातार निशाने पर लिया जा रहा है। अब टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भी भारतीय टीम को आड़े हाथों लिया है। गावस्कर टीम के अति आत्मविश्वास से भी नाराज हैं और उनका कहना है कि भारत को अब इस हार से सबक लेकर अहं का त्याग करना चाहिए। गावस्कर का मानना है कि भारतीय टीम अति आत्मविश्वास से बचे और हर गेंद को बाउंड्री लाइन पार कराने का नहीं सोचे।

सेमीफाइनल में पहुंचने की राह हुई कठिन

भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बल्लेबाजों की नाकामी के कारण सुपर आठ के महत्वपूर्ण मुकाबले में 76 रन से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद भारत के लिए सेमीफाइनल की राह कठिन हो गई है और अब उसे अपने अगले दोनों मुकाबले जीतने होंगे। गावस्कर ने कहा, भारतीय बल्लेबाजों को ब्रेविस और मिलर की साझेदारी से सीख लेकर इस तरह का दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत थी। भारतीय बल्लेबाजों ने ऐसा नहीं किया। वे अति आत्मविश्वास के साथ उतरे, हर गेंद पर बल्ला चलाया और विकेट गंवा दिए। दक्षिण अफ्रीका खेल के हर विभाग में भारत से अव्वल साबित हुआ। गावस्कर ने कहा, भारत ने दक्षिण अफ्रीका से कोई सबक नहीं लिया। भारतीय बल्लेबाज क्रीज पर उतर कर हर गेंद को बाउंड्री लाइन के बाहर पहुंचाने का प्रयास कर रहे थे। टी20 क्रिकेट ऐसे नहीं खेला जाता।

आपको विपक्षी टीम से सीख लेनी चाहिए थी। अगर उन्होंने इस तरह की मुश्किल पिच पर अच्छा स्कोर किया है तो आपको अपना अहं त्यागकर उनकी पारी का विश्लेषण करना चाहिए था और परिस्थितियों के अनुसार बल्लेबाजी करनी चाहिए थी। तिलक वर्मा बेहद चतुर बल्लेबाज है लेकिन इस मैच में उनके खेलने के तरीके से मैं निराश था।

गावस्कर बोले- अक्षर की एकादश में वापसी हो

भारत का अगला मुकाबला जिम्बाब्वे से होगा और गावस्कर ने कहा कि वह अक्षर पटेल को अंतिम एकादश में देखना चाहते हैं। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अक्षर पटेल की जगह वॉशिंगटन सुंदर को मौका दिया। गावस्कर ने कहा, जिम्बाब्वे की टीम में बाएं हाथ के बल्लेबाजों की कमी है और इसलिए मैं चाहूंगा कि अक्षर पटेल की अंतिम एकादश में वापसी हो। आप उन्हें अर्शदीप सिंह की जगह टीम में शामिल कर सकते हैं, लेकिन अर्शदीप ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की और ऐसे में वॉशिंगटन को बाहर बैठना पड़ेगा।

वनडे-टेस्ट मैचों की होगी सीरीज, दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर जाएगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

- दक्षिण अफ्रीका ने 2026-27 सीजन के लिए अपना इंटरनेशनल शेड्यूल जारी किया

ऑस्ट्रेलिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस वर्ष सितंबर-अक्तूबर के बीच दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी। इस दौरान तीन वनडे और इतने ही टेस्ट मुकाबलों की सीरीज खेली जाएगी। ऐसे में यह बॉल-टैंपरिंग प्रकरण के बाद ऑस्ट्रेलिया का पहला दक्षिण अफ्रीकी दौरा होगा। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के मौजूदा चक्र के लिहाज से भी यह सीरीज काफी अहम होगी।

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने जारी किया शेड्यूल

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने 2026-27 सीजन के लिए अपना इंटरनेशनल शेड्यूल जारी किया है। ऑस्ट्रेलिया का यह टूर सितंबर में तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज से शुरू होगा। इस सीरीज का पहला मैच 24 सितंबर को डरबन में खेला जाएगा। इसके बाद 27 सितंबर को जोहानिसबर्ग दूसरे मैच की मेजबानी करेगा। सीरीज का अंतिम मुकाबला 30 सितंबर को पोचेफस्ट्रूम में आयोजित होगा।

पोचेफस्ट्रूम में एक अभ्यास मैच भी इस टूर का हिस्सा है जो 3-4 अकतूबर तक पोचेफस्ट्रूम में खेला जाएगा। इसके बाद डरबन में 9-13 अक्तूबर के बीच टेस्ट सीरीज का पहला मैच आयोजित होगा। दूसरा मुकाबला 18-22 अक्तूबर को गकेबरहा में खेला जाएगा। सीरीज का तीसरा मैच 27-31 अक्तूबर के बीच केपटाउन में होगा। मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई टीम के कई सदस्य जो 2018 के टूरिंग ग्रुप का हिस्सा थे इनमें कप्तान पैट कमिंस, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, नाथन लियोन और जोश हेजलवुड शामिल हैं। डेविड वार्नर जिन पर स्मिथ के साथ 2018 की घटना में शामिल होने के लिए 12 महीने का बैन लगा था, इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। हालांकि, कैमरून बैनक्रॉफ्ट, जिन्हें नौ महीने के लिए निलंबित किया गया था उनके खेलने की संभावना नहीं है। दक्षिण अफ्रीका जाने से पहले ऑस्ट्रेलिया अगस्त में बांग्लादेश की मेजबानी करेगा।

पहली बार फाइनल में पहुंचे जम्मू-कश्मीर की नजरें ट्रॉफी पर

कर्नाटक से होगी खिताब के लिए टक्कर

जम्मू-कश्मीर का ऐतिहासिक सफर

67 साल पहले रणजी ट्रॉफी में पदार्पण करने वाली जम्मू-कश्मीर की टीम पहली बार फाइनल में पहुंची है। इस उपलब्धि ने राज्य के क्रिकेट इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया है। तेज गेंदबाज आकिब नबी ने इस सत्र में 55 विकेट लेकर टीम को यहां तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई है। पिच से शुरूआती मदद मिलने की उम्मीद है, जिसका फायदा जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज उठाना चाहेंगे। टीम ने सेमीफाइनल में बंगाल और मध्यप्रदेश जैसी मजबूत टीमों को हराकर अपनी क्षमता साबित की है। कप्तान पारस डोगरा और मुख्य कोच अजय शर्मा के अनुभव का भी टीम को लाभ मिल रहा है। 41 वर्षीय डोगरा खिलाड़ियों को बिना दबाव के खुलकर खेलने की सलाह दे रहे हैं।

नई दिल्ली। देश के सबसे प्रतिष्ठित घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी के फाइनल में इस बार मुकाबला आठ बार की चैंपियन कर्नाटक क्रिकेट टीम और पहली बार खिताबी दौर में पहुंची जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम के बीच होगा। जहां कर्नाटक अनुभव और सितारों से सजी टीम के दम पर प्रबल दावेदार मानी जा रही है। वहीं, जम्मू-कश्मीर ने जुझारूपन और आत्मविश्वास के बल पर फाइनल तक का सफर तय कर इतिहास रचा है।

कर्नाटक की मजबूत दावेदारी

कर्नाटक को सिर्फ उसके गौरवशाली अतीत के कारण ही नहीं, बल्कि इस सत्र में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के चलते भी खिताब का दावेदार माना जा रहा है। टीम ने चोटों और कप्तानी में बदलाव जैसी चुनौतियों के बावजूद हर परिस्थिति में दमदार खेल दिखाया है।

राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ शुरूआती मुकाबले में लड़खड़ाने के बाद कर्नाटक ने घरेलू और बाहर दोनों मैदानों पर शानदार प्रदर्शन किया। टीम की सफलता में केएल राहुल (457 रन, 3 मैच), करूण नायर (699 रन, 8 मैच), देवदत्त पडिक्कल (532 रन, 5 मैच) और रविचंद्रन स्मरण (950 रन, 8 मैच) की अहम भूमिका रही है।

कप्तानी में बदलाव के बाद देवदत्त पडिक्कल ने मयंक अग्रवाल की जगह टीम की कमान संभाली और बल्लेबाजी के साथ नेतृत्व में भी खुद को साबित किया। गेंदबाजी में भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा आक्रमण की अगुवाई करेंगे। उनके साथ विद्वत कावेरप्पा, विद्याधर पाटिल, विशाख विजयकुमार, शिखर शेट्टी और मोहसिन खान जैसे तेज गेंदबाज हैं। लेग स्पिनर श्रेयस गोपाल ने 46 विकेट लेने के साथ 442 रन भी बनाए हैं, जिससे टीम को संतुलन मिला है।

कर्नाटक के पूर्व कप्तान आर विनय कुमार ने श्रेयस के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि उनके ऑलराउंड योगदान से टीम और मजबूत हुई है। साथ ही केएल राहुल, करूण नायर, श्रेयस गोपाल और मयंक अग्रवाल उस टीम का हिस्सा रह चुके हैं जिसने 2013-14 और 2014-15 में लगातार दो बार खिताब जीता था। बड़े मैचों का यह अनुभव टीम के लिए अहम साबित हो सकता है।

मुकाबला रोमांचक होने की उम्मीद

जहां कर्नाटक अनुभव, संतुलित बल्लेबाजी और मजबूत गेंदबाजी के दम पर उतरेगा, वहीं जम्मू-कश्मीर आत्मविश्वास और बेखौफ क्रिकेट के साथ मैदान में कदम रखेगा। फाइनल में अनुभव बनाम जुनून की यह टक्कर बेहद दिलचस्प होने की उम्मीद है।

वेस्टइंडीज की परीक्षा लेगी जिम्बाब्वे की टीम, वानखेड़े स्टेडियम में होगी भिड़ंत

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 चरण में सोमवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में एक बेहद रोमांचक मुकाबला होने जा रहा है। वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे, दोनों टीमें ग्रुप स्टेज में एक भी मैच गंवाए बिना यहां तक पहुंची हैं। यह मैच ग्रुप 1 में सेमीफाइनल की दौड़ पर सीधा असर डालेगा और भारत की भी नजर इस मैच के नतीजे पर होगी। वेस्टइंडीज को भारतीय पिचों पर ज्यादा अनुभव का लाभ मिल सकता है, वहीं जिम्बाब्वे इस पूरे टूर्नामेंट का सबसे बड़ा सरप्राइज पैकेज बनकर उभरा है।

इन खिलाड़ियों पर रहेगी नजर

वेस्टइंडीज के लिए शेरफेन रदरफोर्ड इस टूर्नामेंट के सबसे घातक बल्लेबाज साबित हो रहे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ उनकी 76 रनों की नाबाद पारी, जो उनकी टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर की सर्वश्रेष्ठ थी, वेस्टइंडीज की जीत का प्रमुख कारण बनी थी। वहीं स्पिन जोड़ी गुदाकेश मोटी (3 विकेट) और रोस्टन चेज (2 विकेट) ने उस मैच में इंग्लैंड की बल्लेबाजी को पैर जमाने का मौका भी नहीं दिया। कप्तान शाई होप ने भी इटली के खिलाफ 46 गेंदों में 75 रन की आक्रामक पारी खेलकर दिखाया था कि वे अपनी टीम को मैच जिताने में सक्षम हैं।

जिम्बाब्वे की ओर से सबसे खतरनाक हथियार हैं ब्लेसिंग मुजारबानी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने महज 17 रन देकर 4 विकेट लिए, जो जिम्बाब्वे के लिए टी20 विश्व कप इतिहास के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े हैं। ब्रायन बेनेट भी विंडीज के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। वे ग्रुप स्टेज में बिना आउट हुए तीन अर्धशतक लगा चुके हैं, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने 56 गेंदों पर 64 रन बनाए और एंकर की भूमिका बखूबी निभाई। कप्तान सिकंदर रजा का प्रदर्शन भी कंसिस्टेंट रहा है। वेस्टइंडीज ने ग्रुप सी में चारों मैच जीते और ग्रुप टॉपर के रूप में सुपर 8 में प्रवेश किया। सबसे बड़ा उलटफेर उन्होंने 11 फरवरी को मुंबई के वानखेड़े में किया, जहां उन्होंने इंग्लैंड को 30 रन से रौंदा। इंग्लैंड ने पहले फील्डिंग का फैसला किया था, लेकिन वेस्टइंडीज ने 196/6 का विशाल स्कोर खड़ा किया।

डेविड मिलर ने तूफानी पारी से तोड़ा ग्लेन मैक्सवेल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली: अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 2024 के टी20 वर्ल्ड कप फाइनलिस्ट भारत और साउथ अफ्रीका का मुकाबला हुआ। सुपर 8 के इस बड़े मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने मैदान मारा। उन्होंने भारत को 76 रन से हराया और सुपर 8 में जीत के साथ आगाज किया।। इस मैच में साउथ अफ्रीका के विस्फोटक मिडल ऑर्डर बल्लेबाज डेविड मिलर ने शानदार बैटिंग की। उन्होंने तूफानी पारी खेली और टीम की जीत में अहम योगदान दिया। इस पारी के चलते डेविड मिलर ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने खास मामले में ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल को पीछे छोड़ दिया।

डेविड मिलर ने तोड़ा ग्लेन मैक्सवेल का रिकॉर्ड

दरअसल, डेविड मिलर टी20 में अब भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। पहले यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल के नाम था। मैक्सवेल ने 22 पारियों में 38 छक्के ठोके थे। लेकिन अब मिलर ने भारत के खिलाफ 26 पारियों में 39 छक्के लगा दिए हैं। डेविड मिलर ने टीम इंडिया के खिलाफ 7 चौके और 3 छक्के की मदद से 35 गेंद में 63 रन बनाए थे। उनका स्ट्राइक रेट इस पारी के दौरान 180 का था। मिलर को अपनी इस परफॉर्मेंस के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी दिया गया था। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 187 रन बनाए थे। 188 रन के टारगेट का पीछा करते हुए भारत 111 रन पर ऑल आउट हो गया था। भारत का अब अगला मैच सुपर 8 में जिम्बाब्वे से है।

इंग्लैंड को हराकर शीर्ष स्थान हासिल करना चाहेगा पाकिस्तान, स्पिनर्स पर रहेगी नजर

नई दिल्ली। धीमी और स्पिन गेंदबाजों के अनुकूल पिच पर मंगलवार को जब इंग्लैंड और पाकिस्तान की टीमें टी20 विश्व कप के सुपर आठ मुकाबले में आमने-सामने होंगी, तो मुकाबले का केंद्र बिंदु स्पिन गेंदबाज ही रहेंगे। इंग्लैंड की टीम अब तक टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाई है, लेकिन दो बार की चैंपियन यह टीम अब जीत की राह पर लौट चुकी है। सुपर आठ चरण के अपने पहले मैच में इंग्लैंड ने श्रीलंका को 51 रन से हराया। इस जीत से उसका नेट रन रेट भी बेहतर हुआ और वह अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई।

श्रीलंका के खिलाफ जीत से बढ़ा इंग्लैंड का आत्मविश्वास

श्रीलंका के खिलाफ कम स्कोर का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए इंग्लैंड ने परिस्थितियों के अनुरूप प्रदर्शन किया। टीम के स्पिनरों ने शानदार गेंदबाजी की, जबकि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने भी अहम योगदान दिया। लेग स्पिनर आदिल रशीद और बाएं हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन को भी विकेट मिले। विल जैक्स ने प्रभावी ऑफ स्पिन गेंदबाजी के साथ-साथ जरूरत पड़ने पर उपयोगी पारियां खेलकर टीम को कई बार मुश्किल परिस्थितियों से उबारा है।

सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट श्रीलंका के खिलाफ बेहतरीन पारी खेलकर फॉर्म में लौटे। टूर्नामेंट में यह पहला मौका था जब उन्होंने पावरप्ले के बाद तक बल्लेबाजी की। हालांकि, जोस बटलर का फॉर्म अब भी चिंता का विषय बना हुआ है, लेकिन उन्हें कप्तान हैरी ब्रूक का पूरा समर्थन हासिल है। इंग्लैंड ने इसी महीने की शुरूआत में इसी मैदान पर तीन मैचों की टी20 श्रृंखला 3-0 से जीती थी। श्रीलंका पर जीत के बाद ब्रूक ने कहा, 'अब तक हम बल्लेबाजी में पूरी तरह परफेक्ट प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। हमें अच्छी शुरूआत और बड़े स्कोर नहीं मिले हैं, लेकिन मुझे लगता है कि यह जल्द ही होगा। जोस बटलर, जैकब बेथेल और मैं खुद बड़े स्कोर नहीं बना सके हैं, फिर भी हम मैच जीतने में सफल रहे हैं।'

पाकिस्तान बनाम इंग्लैंड के बीच होने वाले मैच के लिए मौसम का पूर्वानुमान काफी अनुकूल नजर आ रहा है। मंगलवार को अधिकतम तापमान लगभग 34 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है और बारिश की केवल 25 प्रतिशत आशंका जताई गई है। वहीं, आंधी-तूफान की संभावना लगभग 6 प्रतिशत बताई गई है।

पल्लेकेले में नमी का स्तर अधिक रहने की उम्मीद है, जो लगभग 78 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। हालांकि, शाम के समय बारिश की संभावना घटकर करीब 13 प्रतिशत रह जाएगी। सभी संकेतों को देखते हुए, पल्लेकेले में पाकिस्तान और इंग्लैंडके बीच पूरा मैच बिना किसी बड़ी रुकावट के संपन्न होने की उम्मीद है।

पाकिस्तान को हर हाल में जीतना होगा मुकाबला

दूसरी ओर, पाकिस्तान का न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला सुपर आठ मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया। अब उसे सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए अपने दोनों शेष मैच जीतने होंगे। पाकिस्तान के पास उस्मान तारिक, सईम अयूब, अबरार अहमद, शादाब खान और मोहम्मद नवाज जैसे सक्षम स्पिन गेंदबाज हैं, लेकिन बल्लेबाजी चिंता का विषय बनी हुई है। खासकर अच्छे स्पिनरों के खिलाफ टीम के बल्लेबाज टिक नहीं पा रहे हैं।

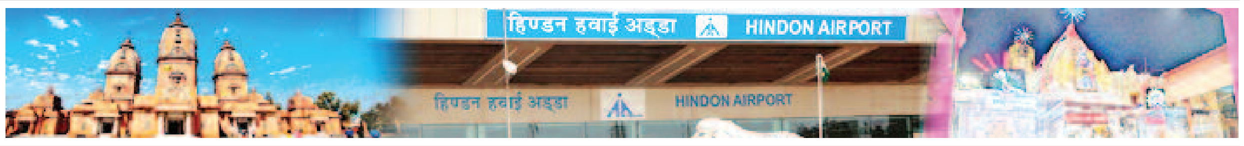

दशकों बाद खुलेगा लोनी बेहटा बंद फाटक

4 करोड़ से अधिक लागत से अंडरपास निर्माण शुरू, दो हिस्सों में बंटी लोनी होगी एक

लोनी, करंट क्राइम। करीब 40 वर्षों से बंद बेहटा फाटक पर सोमवार को अंडरपास निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर, बागपत विधायक योगेश धामा और भाजपा जिलाध्यक्ष चौ. चैनपाल सिंह ने संयुक्त रूप से परियोजना का शुभारंभ किया। रेलवे विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में कार्यक्रम आयोजित हुआ।

परियोजना पर 4 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आएगी। अंडरपास बनने से कृष्णा विहार, शिव वाटिका, टीला गांव, अमित विहार, राधापुरी, राम विहार, अनूप विहार, अमर विहार, पंचवटी, उत्तरांचल हनुमान वाटिका, खुशी वाटिका, तिलकराम कॉलोनी और राहुल गार्डन सहित कई कॉलोनियों को सीधा लाभ मिलेगा। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि लंबे समय से बंद फाटक के कारण आवागमन प्रभावित रहता था और जाम की स्थिति बनती थी।

अंडरपास बनने के बाद दिल्ली और गाजियाबाद के लिए यह मार्ग वैकल्पिक रास्ते के रूप में भी काम करेगा। विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कि परियोजना को पूरा करने के लिए रेलवे और विभिन्न विभागों के साथ कई स्तरों पर समन्वय किया गया। बागपत विधायक योगेश धामा ने इसे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। भाजपा जिलाध्यक्ष चौ. चैनपाल सिंह ने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

मोदीनगर-हापुड़ मार्ग के चौड़ीकरण का शिलान्यास, 32.62 करोड़ रुपए से बदलेगी क्षेत्र की सूरत

मोदीनगर, करंट क्राइम। क्षेत्र की वर्षों पुरानी जाम की समस्या को दूर करने के लिए सोमवार को मोदीनगर-हापुड़ मार्ग के 10 मीटर चौड़ीकरण कार्य का भव्य शिलान्यास किया गया। सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान और विधायक डॉ. मंजू शिवाच सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने नारियल फोड़कर परियोजना की शुरूआत की।

32.62 करोड़ रुपए निर्धारित, जिसमें से प्रथम चरण के लिए 3.79 करोड़ रुपए जारी। हजारों वाहन चालक, छात्र, किसान और औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े श्रमिक। सांसद ने जल्द ही ग्राम सैदपुर डीलना में आयुष मेडिकल एंड रिसर्च सेंटर की स्थापना का आश्वासन भी दिया। इस मार्ग के चौड़ा होने से न केवल सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी, बल्कि ईंधन और समय की भी बचत होगी।

स्थानीय व्यापारियों का मानना है कि बेहतर कनेक्टिविटी से व्यापारिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। कार्यक्रम में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ भाजपा और रालोद के कई प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे।

तिवारी जी और नेहरू जी ने ही तो क्या नहीं लगने दिया मैदान में मेला

खेल का मैदान है और इस मैदान को लेकर बड़ा खेल हो गया है। एक लंबे समय से जिस मैदान पर केवल खेल हो रहा था और कभी कभी धार्मिक कार्यक्रम हो रहे थे। अब उस मैदान में खिलाड़ियों को एक साईड में रखकर नुमाईश वाला मेला लग गया। पहला खेल तो ये हुआ कि नेहरु जी के नाम से आंवटित हुए इस मैदान से नेहरु जी ही बाहर हो गये। पूर्व मेयर अंदर आ गये और जब सुगबुगाहट हुई तो फिर एक साईड में तिवारी जी भी आ गये। कसम खाई गई थी कि खेल के सिवाय कुछ नहीं होने दूंगा। मगर मेला लग गया। अब मेले वाला ठेकेदार इस बात को लेकर हैरान की यहां तो लोग ही नहीं आ रहे। फिर ये हुआ कि मेले वाले ने अपने तम्बू ही उखाड़ लिये। पहला ही प्रोग्राम क्यों फेल हो गया। चुटकी भी भाजपा वाले ने ली और उसने कहा कि मैनेजमेंट तो ठीक था मगर मुझे लगता है कि रात के अंधेरे में नेहरु जी ने आकर झूला उखाड दिया होगा। हो सकता है तिवारी जी ने गेट बंद कर दिया हो। मेला तो पूरे प्लान के साथ लगा था मगर जो प्लान कुदरत बनाकर चलती है, उसके आगे फिर कोई प्लान नहीं चलता। मैदान पर कब्जा हो सकता है लेकिन कुदतर किसी जज्बे को नहीं मानती।

कब्र के सामने मकान था इस इसी बात को लेकर सारा घमासान था

वैसे तो कहावत ये है कि जिसने चलती में ना चलाई वो भला क्या भगवाई। पुरानी कहावत अब फेल हो चुकी है, जब कहा जाता था कि गड़े मुर्दे मत उखाड़ो। नई कहावत में मुर्दे तो ताजमहल से लेकर बिहारी नगर तक के उखड़ेंगे। रातोरात घन चला और कब्र का नामोनिशान मिट गया। कहानी में कोई धर्म नहीं है। कहानी में कोई इंसान नहीं है। कहानी में कब्र के सामने बना मकान है। सवाल ये है कि पहले कब्र आई या मकान आया। तो पता चला कि कब्र तो कई साल पुरानी है और मकान वाले सीन में मंदिर वाले कोषाध्यक्ष लाला जी आ गये। मंहगा मकान लिया और परेशानी यही थी कि मकान के सामने कब्र है। कब्र के सामने मकान था इसलिए मंदिर वाला लाला परेशान था। तो सीन में उनकी एन्ट्री हुई जो पहले रमजान वालों के मकान में ताले डाल चुके थे। अजी इस बात से क्या लेना देना कि कब्र पहले आई या मकान पहले आया। रात के अंधेरे में कब्र को तोड़ने का सामान आया। मुर्दे को भी पता था कि निजाम दूसरा है चुपचाप निकल लो। बहरहाल मुर्दे की लोकेशन ना तो स्कूल के बाहर है और ना नदी के पास है। लोकेशन तो बीच शहर में चाय वाले के बराबर वाली गली में तिरंगा वाला निशान है।

परशुराम आ गये, अग्रसेन आ गये बस अब राणा प्रताप और आ जायें

गाजियाबाद में एक बात तो माननी पड़ेगी कि कोई एक बात शुरू हो तो बावले गांव में ऊंट आ जाता है। सब उसी काम को करने बैठ जाते हैं। निगम के जाट मैम्बरों ने चौधरी साहब के नाम पर भवन की मांग क्या करी कि फरसा उठाकर परशुराम आ गये और एक ईंट एक रूपये वाले अग्रसेन आ गये। बात जब तलवार वालों तक पहुंची तो पता चला कि वो भी अब एक भवन का अलॉटमेंट चाहते हैं। वैसे उन्हें दो भवन की मांग करनी होगी। क्योंकि एक भवन चेतक के लिए भी तो चाहिए होगा। उसकी गाथा कम है क्या।

बैंक खाते से 32 लाख की साइबर ठगी

न्याय के लिए बैंक पर धरना शुरू

मोदीनगर, करंट क्राइम। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक की स्थानीय शाखा में बैंक की कथित लापरवाही के चलते एक चिकित्सक के चालू खाते से 32 लाख रुपये की ठगी का मामला गरमा गया है। पीड़ित डॉ. श्रवण कुमार शर्मा (राष्ट्रीय अध्यक्ष, पीसीएमए) ने बेटी की शादी के लिए यह रकम जमा की थी।

17 से 19 फरवरी के बीच बदमाशों ने पहले 10 रुपए का टेस्ट ट्रांजेक्शन किया और फिर 21 लाख रुपए समेत कुल 32 लाख रुपये नौ अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर दिए। इतनी बड़ी रकम कटने के बावजूद बैंक ने ग्राहक को कोई सूचना या अलर्ट नहीं दिया। संतोषजनक जवाब न मिलने पर पीड़ित ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस और साइबर सेल की सुस्ती देख पीड़ित ने सोमवार से विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के साथ बैंक के बाहर धरना शुरू कर दिया है।

धरना स्थल पर पहुंचे पूर्व विधायक सुदेश शर्मा, सपा नेता सतेन्द्र शर्मा, और किसान नेता बबली गुर्जर ने बैंक प्रबंधन पर मिलीभगत और लापरवाही का आरोप लगाया। नेताओं का कहना है कि जब तक पीड़ित की पूरी धनराशि वापस नहीं मिलती, यह आंदोलन जारी रहेगा और जरूरत पड़ने पर इसे और उग्र किया जाएगा। प्रदर्शन में रमेश प्रजापति, रामआसरे शर्मा और नीरज शर्मा सहित सैकड़ों लोग डॉ. शर्मा के समर्थन में मौजूद रहे।

संत गाडगे महाराज की 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम

स्वच्छता व समरस समाज निर्माण का संकल्प

नेहरू नगर स्थित भाजपा महानगर कार्यालय में आयोजित विचार गोष्ठी, बड़ी संख्या में कार्यकर्ता रहे मौजूद

गाजियाबाद, करंट क्राइम। महानगर में संत शिरोमणि संत गाडगे महाराज की 150वीं जयंती के अवसर पर भाजपा महानगर कार्यालय, नेहरू नगर में श्रद्धांजलि एवं विचार गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल उपस्थित रहे। इस अवसर पर वेद प्रकाश जाटव (महानगर संयोजक, अनुसूचित मोर्चा), सुमन जाटव, जोगिंदर जाटव, सुरेंद्र गहलोत (महामंत्री एससी मोर्चा), पार्षद पवन गौतम, सोनाली, सीमा जाटव, अरुण मेहरा, सुमितपाल, सुनील गौतम, रवि मेवाती, सतिंदर राणा, सतवीर जाटव, मीडिया प्रभारी नरेश जाटव, नौमिश पांडे, मेहताब त्यागी, शेरा प्रताप सिसोदिया सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'संत गाडगे महाराज का जीवन सेवा और समर्पण की प्रेरणा'

करंट क्राइम। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मयंक गोयल ने कहा कि संत गाडगे महाराज का जीवन सादगी, सेवा और समर्पण का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने समाज से अंधविश्वास, जातिवाद, गंदगी और कुरीतियों को दूर करने के लिए निरंतर अभियान चलाया। उनका मानना था कि सच्ची पूजा मानव सेवा में निहित है।

'स्वच्छता, शिक्षा और सदाचार उनका प्रमुख संदेश'

करंट क्राइम। मयंक गोयल ने कहा कि संत गाडगे महाराज जहाँ भी जाते थे, स्वयं झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश देते थे। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल बाहरी नहीं, बल्कि विचारों और व्यवहार में भी होनी चाहिए। शिक्षा को वे सामाजिक परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम मानते थे और वंचित वर्ग के उत्थान के लिए आजीवन प्रयासरत रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने संत गाडगे महाराज के आदर्शों पर चलने और स्वच्छ, शिक्षित एवं समरस समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

समाजसेवी ने कराया गरीब कन्या का विवाह

समस्त दान दहेज से कन्या को किया विदा

मोदीनगर, करंट क्राइम। वरिष्ठ समाजसेवी व अनेक सामाजिक संस्थाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले व्यापारी ने यहां एक युवक की मेरठ निवासी युवती से विधि विद्वान के साथ शादी कराकर पिता का दायित्व निभाया और बेटी को जरूरत के हिसाब से दहेज में सामान भी भेट किया।

व्यापारी व समाजसेवी मूलचंद गर्ग ने यंहा कादराबाद स्थित मां गायत्री देवी पीठ में मेरठ निवासी युवती नन्दनी व मोदीनगर के जगतपुरी कॉलोनी निवासी

युवक अमन का परिजनों की सहमति से हिन्दू रीति रिवाच के साथ समस्त दान दहेज देकर विवाह संपन्न कराया। इतना ही नही मूलचंद गर्ग द्वारा आये दिन इस तरह के सामाजिक कार्य करायें जाते रहते है। उन्होंने इस विवाह समारोह में अपना अहम योगदान देते हुये नवयुगल को अपनी शुभकामनाओं दी और विवाहित पुत्री का कन्यादान कर पिता उका दायित्व भी पूर्ण किया।

सोमवार की सांय युवती को उसके दुल्हें के साथ विदा किया। मूलचंद द्वारा किये गये मानवता भलाई के इस कार्य की प्रशंसा की जा रही है। इस दौरान युवक व युवती के स्वजन भी मौजूद रहे।

पार्षद मनोज पाल ने किया स्कूल का उद्घाटन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। अर्थला ने स्थानीय क्षेत्र के विकास और शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सोमवार को पार्षद मनोज पाल द्वारा नए स्कूल का विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पार्षद ने फीता काटकर स्कूल का शुभारंभ किया और उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। पार्षद मनोज पाल ने कहा कि क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाना उनकी प्राथमिकता है। स्कूल में आधुनिक कक्षाओं और खेलकूद की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है।

कौन एसीपी है अपने मुंशी के भरोसे

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में लगातार मीटिंगो का दौर चल रहा है। बताया जा रहा है कि अब धीरे-धीरे पुलिस कमिश्नरेट वाले सिस्टम की मीटिगों को मामले गर्म और जोरदार आने लगे हैं। मामला बीते दिनों का बताया जा रहा है कि जब प्रधानमंत्री की मेरठ वाली रैली को लेकर विशेष अलर्ट रखा गया था। सुनने में आ रहा है कि पुलिस ने खुफिया वालों के साथ मिलकर एक बड़ी वाली लिस्ट तैयार की थी। तो वारंटियों से लेकर अपराधियों पर कार्रवाई वाली चर्चा भी की गईथी। अब सुनने में आ रहा है कि साथ ही कई अभियानों को लेकर देहात वाले जोन के साहब ने लंबी मीटिंग मिली थी। बताया जा रहा है उस मीटिंग में कई एसीपी स्तर के अधिकारियों पर प्रहार हुआ था। तो कई थाना प्रभारियों को भी सख्त लहजे में समझाया गया था, ऐसा सुनने में आया है।

अब बताया जा रहा है कि कई तरीके के अभियान इन दिनों पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में चल रहे हैं। बताया जा रहा है कि देहात वाले साहब ने एक इलाके वाले एसीपी को सीधे शब्दों में कह दिया कि एसीपी उतना ही समझते हैं जितना उनके मुंशी उन्हें बताते हैं। बताया जा रहा है कि कई सर्किल वाले एसीपी साहब लोगों का काम ठीक नहीं चल रहा है। कुछ आराम वाले मोड में हैं, तो कुछ अलर्ट वाले मोड पर हैं। जिस तरीके से मीटिंग में साहब ने यह कहा उसमें मौजूद थानों के प्रभारी और कई अन्य अधिकारी भी थे। अब सुनने में आया है कि इस तरीके का मामला पहले भी हो चुका है। इन सबके बीच चर्चा है कि जिस तरीके से पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में एसीपी स्तर के कुछ अधिकारी अपने ऑफिस के भरोसे ही अपनी ड्यूटी का निर्वाहन कर रहे हैं, उनकी आने वाले दिनों में समस्या बढ़ सकती है। एक एसीपी तो पहले भी मुंशी के चक्कर में कई पुलिस वालों का खेल खराब कर चुके हैं। तो कई को नुकसान भी पहुंचाया गया है। देखना होगा कि पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में उच्च अधिकारी के दिए गए इस निर्देश का कितना अनुपालन किया जाता है। वैसे बताया जा रहा है कि जिन साहब का यह मामला है, उनकी ट्रेनिंग भी इसी कमिश्नरेट वाले सिस्टम में हुई थी ,पर लग रहा है कि वह सिस्टम के अनुरूप नहीं ढाल पाए हैं। उधर बताया जा रहा है कि इन दिनों जिस तरीके से मीटिंगो का माहौल चल रहा है, उससे कई प्रभारी परेशानी वाले मोड में आ गए हैं।

हिंडन नदी पुल पर मरम्मत कार्य शुरू, 24 से 28 फरवरी तक मार्ग रहेगा बंद

यातायात पुलिस ने जारी किया विस्तृत डायवर्जन प्लान, वाहन चालकों को पहले से किया अलर्ट

गाजियाबाद, करंट क्राइम : शहर के व्यस्ततम मार्गों में शामिल हिंडन नदी पर बने पुल पर मरम्मत एवं निर्माण कार्य किया जाना है। इस कारण 24 फरवरी की रात 10 बजे से 28 फरवरी तक नागद्वार से रोटरी गोल चक्कर के बीच सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। यातायात पुलिस गाजियाबाद ने आमजन की सुरक्षा और सुगम यातायात को ध्यान में रखते हुए विस्तृत डायवर्जन प्लान जारी किया है। यातायात पुलिस के अनुसार, पुल की मरम्मत लंबे समय से आवश्यक थी। कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचाव और ट्रैफिक जाम की स्थिति न बने, इसके लिए यह निर्णय लिया गया है।

दिल्ली जाने वाले वाहनों के लिए बदला रास्ता

करंट क्राइम : नागद्वार से रोटरी गोल चक्कर होते हुए एलिवेटेड मार्ग से दिल्ली की ओर जाने वाले वाहन अब सीधे इस मार्ग का उपयोग नहीं कर सकेंगे। ऐसे सभी वाहन करहेड़ा कट से पुराना जीटी रोड होते हुए हिंडन रिवर मेट्रो स्टेशन के रास्ते रोटरी गोल चक्कर पहुंचेंगे और वहां से एलिवेटेड मार्ग पर प्रवेश करेंगे। रोटरी गोल चक्कर से नागद्वार, ल डान एयरफोर्स स्टेशन अथवा आसपास के क्षेत्रों की ओर जाने वाले वाहनों को भी डायवर्जन का पालन करना होगा। ये वाहन रोटरी गोल चक्कर से नागद्वार की ओर न जाकर हिंडन रिवर मेट्रो स्टेशन से पुराना जीटी रोड के माध्यम से करहेड़ा कट या मोहनगर होकर अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे।

दिल्ली से नागद्वार जाने वालों के लिए भी रहेगी दिक्कत

करंट क्राइम : दिल्ली की ओर से एलिवेटेड मार्ग से आते हुए रोटरी गोल चक्कर पार कर नागद्वार जाने वाले वाहनों को रोटरी गोल चक्कर से सिटी फॉरेस्ट यू-टर्न लेना होगा। इसके बाद वे हिंडन रिवर मेट्रो स्टेशन और पुराना जीटी रोड होते हुए करहेड़ा कट या मोहनगर के रास्ते अपने गंतव्य तक जा सकेंगे। यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि प्रतिबंधित मार्ग पर किसी भी वाहन को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। आमजन से अपील की गई है कि यात्रा से पहले मार्ग की योजना बनाएं, वैकल्पिक रास्तों का उपयोग करें और यातायात नियमों का पालन कर प्रशासन को सहयोग प्रदान करें। पुलिस का कहना है कि नागरिकों के सहयोग से ही मरम्मत कार्य समय पर पूरा होगा और शहर की यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहेगी।

प्रतिबंधित अवधि में संबंधित मार्ग पर पुलिस बल तैनात रहेगा और डायवर्जन का सख्ती से पालन कराया जाएगा।

14 मार्च को जिला न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार 14 मार्च 2026 (शनिवार) को प्रातः 10 बजे से जिला एवं सत्र न्यायालय, जिला कचहरी गाजियाबाद परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जनपद गाजियाबाद में लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद विनोद सिंह रावत के निर्देशन में होगा। इस लोक अदालत में आपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम से संबंधित प्रकरण, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण वाद, विद्युत एवं जल बिल विवाद, दीवानी व फौजदारी के लघु मामले, मोटर दुर्घटना दावा (एमएसीटी), बैंक रिकवरी, मोटरयान चालान, पारिवारिक एवं दाम्पत्य विवाद, उत्तराधिकार वाद तथा प्री-लिटिगेशन स्तर के मामलों का सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने अधिक से अधिक पक्षकारों से लोक अदालत का लाभ उठाकर अपने वादों का शीघ्र, सस्ता और सौहार्दपूर्ण निस्तारण कराने की अपील की है।

पोस्ट ऑफ द डे

प्रस्तुति
करंट क्राइम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। समय बदलता है और हर वर्ष बदलता है। समय के साथ चेहरे बदलते हैं और समय के साथ हाल बदलता है। सरदार परमजीत सिंह ने 1 वर्ष के अंतर का फोटो फेसबुक पर साझा किया। वह साल, यह साल और कितना बदला है हाल। सरदार परमजीत सिंह ने इस पोस्ट को फेसबुक पर साझा किया, उनकी यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

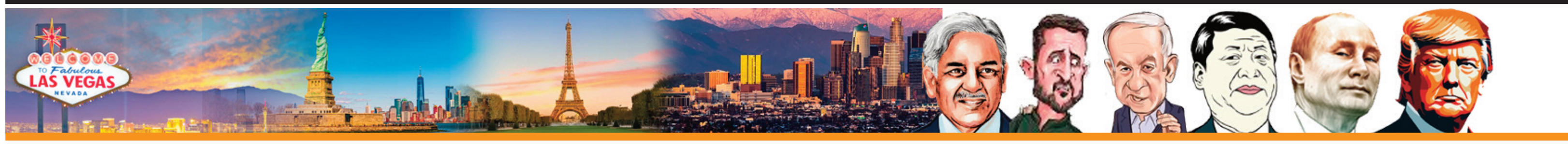

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस्राइल दौरा एआई और रक्षा पर होंगे अहम समझौते

इस्राइली राजदूत बोले- दोनों देश मिलकर भविष्य का निर्माण कर रहे

पीएम मोदी का यह दूसरा इस्राइली दौरा होगा। इससे पहले वे 2017 में इस्राइल दौरे पर गए थे। भारत में इस्राइल के राजदूत रूवेन अजार ने कहा, 'भारत-इस्राइल संबंधों के लिए एक रोमांचक क्षण है। हम प्रधानमंत्री मोदी का इस्राइल में स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। जब भारत और इस्राइल साथ आते हैं तो सिर्फ बैठकें नहीं होतीं, यह विश्वास पर आधारित, नवाचार से संचालित और वर्तमान समय की चुनौतियों की साफ समझ की साझेदारी है।'
रूवेन अजार ने कहा, 'दुनिया तेजी से बदल रही है और खतरे भी बढ़ रहे हैं। इनसे निपटने के लिए हम अपने सुरक्षा समझौतों के जरिए सक्षा संबंधों को मजबूत करेंगे। साथ ही परिवहन, जल, कृषि और शैक्षणिक सहयोग को भी आगे बढ़ाया जाएगा। भारत और इस्राइल केवल साझेदार नहीं हैं बल्कि सच्चे दोस्त हैं और मिलकर भविष्य का निर्माण कर रहे हैं।'

तेल अवीव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25-26 फरवरी को इस्राइल दौरे पर रहेंगे। इस दौरे को लेकर इस्राइली सरकार बेहद उत्सुक है। पीएम मोदी के इस इस्राइल दौरे से दोनों देशों के बीच कई अहम समझौतों पर सहमति बन सकती है, जिनमें एआई और क्वांटम कंप्यूटिंग के साथ रक्षा सहयोग प्रमुख है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार से इस्राइल के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। पीएम मोदी की इस्राइल यात्रा का वहां के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को भी बेसब्री से इंतजार है। उन्होंने पीएम मोदी की यात्रा को ऐतिहासिक क्षण बताया और कहा कि पीएम मोदी का ये दौरा दोनों देशों के मजबूत संबंधों को दशार्ता है। रविवार को साप्ताहिक सरकारी बैठक की शुरूआत में नेतन्याहू ने कहा, 'हाल के वर्षों में इस्राइल और वैश्विक शक्ति भारत के बीच के संबंध मजबूत हुए हैं। मैं और पीएम मोदी, हम व्यक्तिगत मित्र हैं। हम अक्सर फोन पर बात करते हैं और एक दूसरे से मिलने जाते हैं।' उन्होंने कहा पीएम मोदी की आगामी यात्रा आर्थिक, राजनयिक और सुरक्षा क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करेगी।

पीएम मोदी के इस्राइल दौरे पर क्या होगा खास

इस्राइली प्रधानमंत्री ने बताया कि पीएम मोदी अपने दौरे पर इस्राइली संसद नेसेट में भाषण देंगे और यरूशलम में एक नवाचार कार्यक्रम में भाग लेंगे। वे होलोकॉस्ट पीड़ितों के लिए इस्राइल के आधिकारिक स्मारक, याद वाशेम भी जाएंगे। नेतन्याहू ने बताया कि दोनों देशों के बीच एआई और क्वांटम कंप्यूटिंग समेत उच्च तकनीकी क्षेत्रों में सहयोग को भी बढ़ावा देने पर बात होगी।

भारत ने पिछले सप्ताह नई दिल्ली में एआई इम्पैक्ट समिट की मेजबानी की, जो वैश्विक दक्षिण में पहला अंतरराष्ट्रीय एआई शिखर सम्मेलन रहा। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में नेतन्याहू ने पीएम मोदी के इस्राइल दौरे को ऐतिहासिक बताया।

उन्होंने लिखा 'इस्राइल और भारत के बीच का रिश्ता दो वैश्विक नेताओं का एक शक्तिशाली गठबंधन है। हम नवाचार, सुरक्षा और साझा रणनीतिक दृष्टिकोण में भागीदार हैं। हम साथ मिलकर स्थिरता और प्रगति के लिए प्रतिबद्ध राष्ट्रों का एक गठबंधन बना रहे हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लेकर क्षेत्रीय सहयोग तक हमारी साझेदारी नई ऊंचाइयों को छू रही है। यरूशलम में आपसे मिलने की उम्मीद है, पीएम मोदी।'

ड्यूरंड रेखा पर भड़की हिंसा, 48 घंटों में 31 पख्तून हताहत अफगानिस्तान और पाकिस्तान में तनाव तेज

इस्लामाबाद। ड्यूरंड रेखा पर 48 घंटों में पाकिस्तान और अफगानिस्तान में 31 पख्तूनों की मौत हुई है। नंगरहार में पाकिस्तानी हवाई हमले के बाद खैबर जिले में भी हिंसा भड़की। मृतकों में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। स्थानीय सूत्रों ने रिहायशी इलाकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है।

ड्यूरंड रेखा के दोनों ओर एक बार फिर हिंसा भड़क गई है। पिछले 48 घंटों में पाकिस्तान और अफगानिस्तान में कम से कम 31 पख्तूनों की मौत हुई है। घटनाओं की शुरूआत 20 और 21 फरवरी की रात पाकिस्तान की ओर से अफगानिस्तान के नंगरहार प्रांत में की गई हवाई कार्रवाई से हुई। इसके बाद सीमा पार और पाकिस्तान के अंदर भी हिंसा भड़क उठी। हालात ने पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है। पाकिस्तान ने दावा किया कि उसने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी के ठिकानों को निशाना बनाया। लेकिन स्थानीय अफगान अधिकारियों और क्षेत्रीय सूत्रों का कहना है कि हमला नंगरहार के बिसूद जिले के एक रिहायशी परिसर पर हुआ। पाकिस्तान की ओर से 17 नागरिकों के मारे जाने की बात कही गई है। मृतकों में 11 बच्चे और महिलाएं भी शामिल बताए गए हैं। घटनास्थल से सामने आई तस्वीरों में कथित आतंकी शिविर नहीं, बल्कि तबाह घर दिखाई दे रहे हैं।

सीमा पार फिर भड़की हिंसा

हवाई हमले के एक दिन बाद हिंसा ड्यूरंड रेखा पार कर पाकिस्तान के खैबर जिले की तिराह घाटी तक पहुंच गई। यहां एक नागरिक वाहन पर मोर्टार गोला गिरने से पांच पख्तूनों की मौत हुई, जिनमें दो बच्चे शामिल थे। स्थानीय लोगों ने इसके विरोध में सैन्य चौकी के बाहर प्रदर्शन किया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर सीधी गोलीबारी की, जिसमें चार और लोगों की मौत हो गई और पांच घायल हो गए।

48 घंटे में कुल 31 मौतें

दोनों देशों में हुई घटनाओं को जोड़ें तो 48 घंटों में 31 पख्तूनों की जान गई। आरोप है कि घटनाओं की शुरूआत सीमा पार हवाई हमले से हुई और फिर पाकिस्तान के अंदर कार्रवाई और गोलीबारी में और लोग मारे गए। इससे पहले भी जनवरी 2025 से पाकिस्तान में कथित आतंकवाद विरोधी अभियानों में 168 से अधिक पख्तूनों, जिनमें महिलाएं और बच्चे शामिल हैं, के मारे जाने की खबरें सामने आई हैं। सितंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच अफगानिस्तान में भी पाकिस्तानी कार्रवाई में 88 पख्तून नागरिकों की मौत बताई गई है।

बढ़ती असुरक्षा की भावना

कहा जा रहा है कि लगातार सैन्य तैनाती, कर्फ्यू, चौकियां और घरों को ढहाने की कार्रवाइयों से स्थानीय लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ी है। पख्तून समुदाय में यह धारणा मजबूत हो रही है कि सुरक्षा देने के बजाय उनके पूरे इलाके को शक की नजर से देखा जा रहा है। फिलहाल हालात तनावपूर्ण हैं और दोनों देशों के बीच आरोप-प्रत्यारोप जारी हैं।

मोहम्मद यूनुस ने नहीं निभाई जिम्मेदारियां, बांग्लादेशी राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने खोले कई बड़े राज

ढाका। बांग्लादेश में हुए हालिया चुनावों के बाद तारिक रहमान के नेतृत्व में बीएनपी ने बंपर जीत हासिल की थी। तारिक रहमान के पीएम पद की शपथ लेने के कुछ दिनों बाद अब बांग्लादेश के राष्ट्रपति ने पूर्व अंतरिम सरकार के सलाहकार मोहम्मद यूनुस के खिलाफ आरोपों का पिटारा खोल दिया है।

बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि यूनुस ने अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों को ठीक से नहीं निभाया। राष्ट्रपति को न सिर्फ अहम चचाओं से दूर रखा बल्कि उन्हें हटाने तक की साजिश रच देश को अस्थिर करने का प्रयास किया। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शाहबुद्दीन ने हाल ही में एक साक्षात्कार में मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि उस दौर में राष्ट्रपति की संवैधानिक शक्तियों को कमजोर किया गया, और उन्हें असंवैधानिक तरीके से हटाने की साजिश रची गई।

यूनुस सरकार में मेरे खिलाफ रची गईं साजिशें :राष्ट्रपति

ढाका में अपने आधिकारिक आवास बंगभवन में बांग्ला डेली कालेर कंठो को दिए एक इंटरव्यू में राष्ट्रपति ने कहा, 'उन डेढ़ वर्षों में, मैं किसी भी चर्चा में नहीं रहा, फिर भी मेरे खिलाफ कई तरह की साजिशें रची जा रही हैं। देश की शांति और व्यवस्था को हमेशा के लिए खत्म करने और एक संवैधानिक खालीपन पैदा करने की कई कोशिशें की गईं।'
जब उनसे पूछा गया कि क्या वे कोशिशें सफल रहीं, तो उन्होंने कहा, 'मैं अपने फैसले पर अड़ा रहा। इसीलिए कोई साजिश सफल नहीं हुई। खासकर गैर-संवैधानिक तरीकों से राष्ट्रपति को हटाने की कई साजिशें नाकाम हो गईं। इसलिए, बंगभवन में डेढ़ साल का अनुभव अच्छा नहीं कहा जा सकता। मुझे नहीं पता कि मेरे ऊपर से गुजरे इस तूफान को झेलने की ताकत किसी और में थी या नहीं।'

यूनुस ने नहीं निभाईं सांविधानिक जिम्मेदारियां

इस सवाल का जवाब देते हुए कि क्या पूर्व चीफ एडवाइजर ने राज्य के फैसलों पर राष्ट्रपति से कोई मशविरा किया, जिसमें 133 अध्यादेश जारी करना भी शामिल है, शहाबुद्दीन ने कहा कि हालांकि कुछ हालात की वजह से जरूरी हो सकते हैं, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में जारी करने का कोई मतलब नहीं था। शहाबुद्दीन ने आरोप लगाया कि हालांकि पूर्व चीफ एडवाइजर ने कई विदेशी दौरे किए, लेकिन लौटने पर उन्होंने न तो राष्ट्रपति से मुलाकात की और न ही कोई लिखित जानकारी दी; राष्ट्रपति के मुताबिक, ये उनकी सांविधानिक जिम्मेदारी थी।

मैक्सिको में बढ़ती हिंसा के बीच भारतीय दूतावास ने जारी की एडवाइजरी, नागरिकों से घर में रहने की सलाह

नई दिल्ली। मैक्सिको में बढ़ती हिंसा और सुरक्षा अभियानों के बीच भारत के दूतावास ने वहां रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। दूतावास ने भारतीयों से सतर्क रहने, भीड़-भाड़ वाले इलाकों से दूर रहने और फिलहाल घरों के अंदर ही रहने की सलाह दी है।

एल मेंचो की मौत से भड़की हिंसा

यह एडवाइजरी उस सैन्य कार्रवाई के बाद जारी की गई है, जिसमें मैक्सिको के सबसे कुख्यात ड्रग कार्टेल सरगना नेमेसियो ओसेगुएरा केरवेंटेस उर्फ एल मेंचो को मार गिराया गया। वे जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल का प्रमुख थे। मेंचो मैक्सिको व अमेरिका के मोस्ट वॉन्टेड अपराधियों में शामिल थे। मैक्सिकन सेना ने पश्चिमी राज्य जलिस्को में एक ऑपरेशन के दौरान उन्हें ढेर किया।

अगली सूचना तक सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह

भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि जलिस्को राज्य (प्यूर्टो वल्लार्ता, चापाला और ग्वाडलाहारा), तामाउलिपास राज्य (रेनोसा सहित अन्य नगरपालिकाएं), मिचोआकान, गुएरेरो और नुएवो लियोन के कुछ क्षेत्रों में सुरक्षा अभियान, सड़क अवरोध और आपराधिक गतिविधियां जारी हैं। ऐसे में भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है।

दूतावास ने नागरिकों को कानून-व्यवस्था से जुड़े अभियानों के आसपास के इलाकों से दूर रहने, स्थानीय मीडिया पर नजर रखने, अनावश्यक बाहर निकलने से बचने और स्थानीय प्रशासन के निदेशों का पालन करने को कहा है। आपात स्थिति में 911 पर संपर्क करने की सलाह भी दी गई है। साथ ही भारतीयों से अपने परिवार और मित्रों को अपनी स्थिति की जानकारी नियमित रूप से देते रहने की सलाह दी गई है।

ईरान के विश्वविद्यालयों में दूसरे दिन भी सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी

तेहराइन। ईरान के तेहरान और मशहद में विश्वविद्यालयों में लगातार दूसरे दिन सरकार विरोधी प्रदर्शन हुए। छात्रों ने जनवरी में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। पहले हुए दमन में हजारों मौत और हजारों गिरफ्तारियां हुई थीं। यह विरोध अमेरिका से बढ़ते तनाव और परमाणु वार्ता के बीच हो रहा है। ईरान के दो बड़े शहरों तेहरान और मशहद में विश्वविद्यालय परिसरों में लगातार दूसरे दिन सरकार विरोधी प्रदर्शन हुए। छात्र समूहों और मानवाधिकार संगठनों के अनुसार कम से कम सात विश्वविद्यालयों में छात्र इकट्ठा हुए और नारेबाजी की। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी होने के बावजूद छात्रों ने परिसर में प्रदर्शन जारी रखा। यह नया विरोध ऐसे समय में हो रहा है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। बताया जा रहा है कि नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने के साथ ही शनिवार से प्रदर्शन फिर तेज हुए।

रविवार को कई छात्रों ने काले कपड़े पहनकर पहले हुए प्रदर्शनों में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। तेहरान यूनिवर्सिटी ऑफ आर्ट और ईरान यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी सहित कई संस्थानों में छात्रों की भीड़ देखी गई।
पहले भी हुआ था बड़ा दमन जनवरी में हुए देशव्यापी प्रदर्शनों को सुरक्षा बलों ने सख्ती से दबा दिया था। अधिकार समूहों का दावा है कि हजारों लोग मारे गए और करीब 40 हजार लोगों को गिरफ्तार किया गया।

अमेरिका ने की थी एल मेंचो की जासूसी, मैक्सिको की सरकार को ड्रग सरगना के बारे में दी खुफिया जानकारी

वॉशिंगटन। मैक्सिको के कुख्यात ड्रग सरगना एल मेंचो की मौत के बाद मैक्सिको में हिंसा भड़की हुई है और अफरा-तफरी का माहौल है। इस बीच व्हाइट हाउस ने बयान जारी कर पुष्टि की है कि अमेरिका भी इस ऑपरेशन में शामिल था और अमेरिका ने ही मैक्सिको की सरकार को एल मेंचो के बारे में खुफिया जानकारी दी थी। एल मेंचो अमेरिका के सबसे वांछित अपराधियों में से एक था और अमेरिका की सरकार ने उस पर डेढ़ करोड़ डॉलर का भारी-भरकम इनाम रखा हुआ था।

अमेरिका ने मैक्सिको को दी खुफिया मदद : सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि अमेरिका ने मैक्सिको सरकार की 'ऑपरेशन तलपालपा जेलिस्को' में मदद की, जिसमें जेलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल गैंग के मुखिया को ढेर किया गया। उन्होंने लिखा 'अमेरिका ने मैक्सिको सरकार को खुफिया मदद दी, जिसमें कुख्यात ड्रग लॉर्ड नेमेसियो एल मेंचो ओसेगुएरा केरवेंटेस को ढेर किया गया।'

कैरोलिन लेविट ने बताया कि अमेरिका और मैक्सिको दोनों देशों की सरकारों को एल मेंचो की तलाश थी। लेविट ने बताया कि मेंचो अमेरिका में फेंटानिल ड्रग की तस्करी के लिए प्रमुख तौर पर जिम्मेदार था।

मैक्सिको के सबसे बड़े ड्रग गैंग का था मुखिया एल मेंचो : एल मेंचो एक पूर्व पुलिस अधिकारी था, जो बाद में अपराध की दुनिया में उतरा और सबसे कुख्यात ड्रग तस्करों में से एक बन गया। एल मेंचो का गैंग जेलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल, मैक्सिको का सबसे खतरनाक और सबसे बड़ा गैंग है। मैक्सिको के सशस्त्र बलों और ड्रग तस्करों के बीच हुई मुठभेड़ में भारी गोलीबारी हुई। इस मुठभेड़ में चार ड्रग तस्कर मौके पर ही मारे गए और एल मेंचो गंभीर रूप से घायल हुआ। जब उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था, तभी रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। मुठभेड़ में मैक्सिको सेना के तीन जवान भी घायल हुए हैं।

भारत-अमेरिका समेत कई देशों ने अपने नागरिकों के लिए जारी की एडवाइजरी : मैक्सिको में हालात को देखते हुए अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर उन्हें सुरक्षित जगहों पर रहने यानी 'शेल्टर-इन-प्लेस' की सलाह दी है। अमेरिका ने खास तौर पर जेलिस्को, तमाउलिपास, मिचोआकान, गुरेरो और न्यूवो लियोन राज्यों में मौजूद अपने नागरिकों और सरकारी कर्मचारियों को सतर्क रहने, भीड़ से दूर रहने, गैर-जरूरी यात्रा न करने और स्थानीय प्रशासन के निदेशों का पालन करने को कहा है।

भारत दौरे पर आएंगे कनाडाई पीएम कार्नी रक्षा-तकनीक समेत इन मुद्दों पर बढ़ेगी साझेदारी

किन-किन मुद्दों पर फोकस, यहां समझिए

व्यापार और निवेश : दोनों देशों के व्यवसायों के बीच साझेदारी बढ़ाने और कनाडा में निवेश के अवसर तलाशने पर ध्यान।
ऊर्जा और तकनीक : नई परियोजनाओं और नवाचार के लिए सहयोग।
कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) : तकनीकी क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा।
प्रतिभा और संस्कृति : शिक्षा, अनुसंधान और सांस्कृतिक आदान-प्रदान।
रक्षा सहयोग : क्षेत्रीय सुरक्षा और सामरिक साझेदारी को मजबूत करना।

अब कार्नी के इस दौरे की यात्रा का आधार भी समझिए

गौरतलब है कि इस दौरे के जरिए प्रधानमंत्री कार्नी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में कनाडा के तीन मजबूत साझेदारों के साथ संबंधों को और गहरा करेंगे, जो देश की सुरक्षा और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं। कुल मिलाकर, यह यात्रा कनाडा और भारत के बीच व्यापार, तकनीक, ऊर्जा और रक्षा क्षेत्रों में नई साझेदारियों की दिशा में एक बड़ा कदम है।

टोरंटो। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी 26 फरवरी से 7 मार्च 2026 तक भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान का दौरा करने वाले हैं। इस यात्रा का लक्ष्य कनाडाई कर्मचारियों और व्यवसायों के लिए व्यापार, ऊर्जा, तकनीक और रक्षा में नए अवसर खोलना है।

भारत दौरे में वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे और दोनों देशों के रिश्तों को मजबूती और नई साझेदारियां बढ़ाने पर चर्चा करेंगे। इस बात की जानकारी कनाडाई प्रधानमंत्री कार्यालय ने दी।

बताया गया कि भारत दौरे पर सबसे पहले कार्नी मुंबई आएंगे। इसके बाद राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। इस मुलाकात में दोनों नेता कनाडा-भारत संबंधों को मजबूत और विस्तारित करने पर चर्चा करेंगे।

बेरिंग सागर में आया 6.1 की तीव्रता वाला भीषण भूकंप

डोल गई धरती

बेरिंग सागर। बेरिंग सागर पूर्व में अलास्का (अमेरिका) और पश्चिम में रूस (साइबेरिया) के बीच स्थित है, जो प्रशांत महासागर का सबसे उत्तरी भाग है। यह दो मिलियन वर्ग किमी से भी ज्यादा क्षेत्र में फैला है। बेरिंग जलडमरूमध्य द्वारा आर्कटिक महासागर से जुड़ा है।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के एक बयान के अनुसार मंगलवार को बेरिंग सागर में 6.1 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र 45 किलोमीटर की गहराई पर था। एनसीएस ने एक पोस्ट में बताया, 'मंगलवार को सुबह 10:41 बजे आए भूकंप की रिक्टर पैमाने पर तीव्रता 6.1रही।'

बेरिंग सागर का मध्य क्षेत्र लगभग भूकंप-मुक्त है। उत्तर में भूकंपीय गतिविधि का एक विस्तृत विसरित क्षेत्र पश्चिमी अलास्का से बेरिंग जलडमरूमध्य को पार करते हुए पूर्वी रूस तक फैला हुआ है। माना जाता है कि यह क्षेत्र बेरिंग माइक्रोप्लेट की उत्तरी सीमा को चिह्नित करता है।

बेरिंग सागर में भूकंप आने की क्यों बदली जगह?

बेरिंग सागर का दक्षिणी किनारा एल्यूशियन आर्क द्वारा चिह्नित है, जहां भूकंपीय गतिविधि अलास्का विश्वविद्यालय के एक अध्ययन के अनुसार, चल रही सबडक्शन प्रक्रियाओं से जुड़ी हुई है। 1991 में, 6.6 तीव्रता का भूकंप 30 अप्रैल, 2010 के भूकंपों से लगभग 210 किमी (150 मील) दक्षिण-पूर्व में आया था। 1991 और 2010 के भूकंप भूपर्पटी के उत्तर-पश्चिम विस्तार और पूर्व-पश्चिम संपीड़न का संकेत देते हैं।

30 अप्रैल, 2010 की घटना का स्रोत क्षेत्र संरचनात्मक रूप से जेमचुग कैन्यन के हेडवॉल क्षेत्र के नीचे स्थित ग्रैबेन जैसी संरचना से जुड़ा हो सकता है, जो आयतन के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा पनडुब्बी कैन्यन है।

मुख्य भूकंप और सबसे बड़ा आफ्टरशॉक दोनों ही स्ट्राइक-स्लिप भूकंप हैं। हेडवॉल संरचनाओं का संरचनात्मक पैटर्न उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व की ओर है, जो 30 अप्रैल की घटनाओं के बाएं-पार्श्व नोडल तल के समानांतर है।

दायां-पार्श्व नोडल तल पश्चिमी अलास्का (कल्टाग, कोबुक, डेनाली, आदि) के उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पश्चिम दिशा में फैली स्ट्राइक-स्लिप फॉल्ट की विशाल श्रृंखला के काल्पनिक अपतटीय विस्तार की भूपर्पटी संरचना के समानांतर है।

पृथ्वी के 81 फीसदी सबसे भीषण भूकंप यहीं क्यों आते हैं?

अगर ये भूपर्पटी संरचनाएं अपतटीय क्षेत्र में भी जारी रहती हैं, तो अलास्का विश्वविद्यालय के अनुसार, ये 30 अप्रैल के भूकंपों का स्रोत हो सकती हैं। विश्व की सबसे बड़ी भूकंपीय पेटी, परि-प्रशांत भूकंपीय पेटी, प्रशांत महासागर के किनारे पर स्थित है, जहां हमारे ग्रह के लगभग 81 प्रतिशत सबसे बड़े भूकंप आते हैं। यूएसजीएस के अनुसार, इसे रिंग ऑफ फायर उपनाम दिया गया है।

यह पेटी विवर्तनिक प्लेटों की सीमाओं के साथ मौजूद है, जहां मुख्य रूप से महासागरीय भूपर्पटी वाली प्लेटें दूसरी प्लेट के नीचे धंस रही हैं (या सबडक्ट हो रही हैं)। इन सबडक्शन जोन में भूकंप प्लेटों के बीच फिसलन और प्लेटों के भीतर दरार के कारण आते हैं।

परि-प्रशांत भूकंपीय बेल्ट में आए भूकंपों में 9.5 तीव्रता का चिली भूकंप [वाल्डिविया भूकंप] (1960) और 9.2 तीव्रता का अलास्का भूकंप (1964) शामिल हैं।

बीरगंज के चार इलाकों में अनिश्चतकालीन कर्फ्यू लागू दो समूहों के बीच झड़प के बाद उठाया गया कदम

नेपाल। मुख्य जिला अधिकारी के मुताबिक, स्थानीय प्रशासन अधिनियम, 2028 की धारा 6(क) के तहत कर्फ्यू लगाया गया है। इस दौरान निर्धारित क्षेत्रों में लोगों के के घूमने, एकत्र होने, रैली निकालने, प्रदर्शन करने, बैठक करने या घेराव करने पर रोक रहेगी। जिन इलाकों में कर्फ्यू लगाया गया है, उनमें पूर्व में बाइपास रोड, पश्चिम में सिरसिया नदी, उत्तर में गंडक चौक और दक्षिण में शंकराचार्य गेट शामिल हैं।

जारी सूचना में कहा गया, मौजूदा सुरक्षा स्थिति को देखते हुए स्थानीय प्रशासन अधिनियम, 2028 की धारा 6(क) के अनुसार आज 23 फरवरी को सुबह पौने 10 बजे से अगले आदेश तक बीरगंज महानगर क्षेत्र के इन चार इलाकों के भीतर किसी भी व्यक्ति के आने-जाने, एकत्र होने, रैली, प्रदर्शन, बैठक या घेराव करने पर प्रतिबंध लगाया जाता है। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया है कि कर्फ्यू के दौरान आवश्यक सेवाओं की आवाजाही की अनुमति होगी। इसमें एंबुलेंस, दमकल वाहन, शव वाहन, स्वास्थ्यकर्मियों और मीडिया कर्मियों के वाहन, पहले तय विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में शामिल होने वाले परीक्षार्थी, परीक्षा केंद्र के कर्मचारी, पर्यटक वाहन, मानवाधिकार और राजनयिक मिशनों के वाहन व वैध टिकट के साथ यात्रा करने वाले हवाई यात्री शामिल हैं।

स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, कर्फ्यू को लागू कराने और छूट प्राप्त वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। इस बीच, राष्ट्रीय चुनाव से पहले सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए काठमांडू गाटी के बाहर, खासकर नेपाल के दक्षिण तराई इलाकों के जिलों में अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। करीब 11 हजार मतदान केंद्रों पर सुरक्षा बढ़ाई गई है।

24 Feb -26 page 8 23-02-2026 10:39 PM Page 1

गाजियाबाद नगर निगम
Ghaziabad Nagar Nigam
(ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
GHAZIABAD DEVELOPMENT AUTHORITY
غازی آباد ڈویلپمنٹ اتھارٹی

डीपीएस गाजियाबाद में हुआ भव्य वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

गाजियाबाद करंट क्राइम। दिल्ली पब्लिक स्कूल गाजियाबाद में सोमवार को भव्य एवं गरिमामय वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह विद्यालय के शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेलकूद एवं सह-शैक्षणिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने का वार्षिक उत्सव था। इस अवसर पर शिक्षकगण, अभिभावकगण एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में अनुज स्वरूप (IFS 2016), वर्तमान में आरपीओ, गाजियाबाद, उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि अनुज स्वरूप ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में कहा कि शिक्षा केवल अंकों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण की एक सतत प्रक्रिया है। उन्होंने पुरस्कृत छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की प्रेरणा दी तथा अभिभावकों से बच्चों में नैतिक मूल्यों एवं राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित करने का आग्रह किया। समारोह के अंतर्गत दीर्घकालीन उत्कृष्ट शैक्षणिक निरंतरता हेतु छात्रों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। 7 वर्ष के स्कॉलर रहे 24 विद्यार्थियों को 30 ग्राम चांदी के स्मृति-चिह्न से सम्मानित किया गया। 6 वर्ष के स्कॉलर रहे 105 विद्यार्थियों को ब्लू ब्लेजर एवं टाई प्रदान की गई। वहीं 3 वर्ष के स्कॉलर रहे 307 विद्यार्थियों को स्मृति-चिह्न एवं ब्लू ब्लेजर देकर सम्मानित किया गया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ अत्यंत उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। मुख्य अध्यापिका ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकगणों एवं छात्र-छात्राओं का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

कक्षा-11 की छात्रा वृन्दा अग्रवाल 6 बार चुनी गई हैं स्कॉलर

करंट क्राइम। दिल्ली पब्लिक स्कूल गाजियाबाद में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में 7 वर्ष के स्कॉलर रहे 24 विद्यार्थियों को चांदी के स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। खास बात ये है कि डीपीएस गाजियाबाद की कक्षा 11 की छात्रा वृन्दा अग्रवाल लगातार 6 बार स्कॉलर चुनीं गईं हैं। वृन्दा अग्रवाल को उनकी इस उपलब्धि पर उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया। वृन्दा अग्रवाल मेधावी छात्रा हैं और दैनिक करंट क्राइम के प्रधान संपादक मनोज गुप्ता की सुपुत्री हैं।

होली से पहले नशे और अवैध कारोबार पर सख्ती गाजियाबाद में चलेगा ऑपरेशन प्रहार

एडिशनल सीपी ने ली बैठक

गाजियाबाद, करंट क्राइम : होली के त्योहार से पहले कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने और नशे के अवैध कारोबार पर पूरी तरह लगाम लगाने के लिए पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में सख्त रणनीति तैयार कर ली गई है।

पुलिस आयुक्त के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था/यातायात राज करन नैय्यर ने सभी एसीपी और थाना प्रभारियों को अलर्ट करते हुए स्पष्ट संदेश दिया है कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सोमवार को पुलिस कार्यालय स्थित सभागार में अवैध हथियारों एवं मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन प्रहार को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से एक अहम समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई।

कुल मिलाकर, होली से पहले ऑपरेशन प्रहार के जरिए गाजियाबाद पुलिस अपराधियों पर करारा प्रहार करने की तैयारी में है, ताकि त्योहार शांति, सौहार्द और सुरक्षा के माहौल में मनाया जा सके।

थाना प्रभारी की होगी सीधी जिम्मेदारी

करंट क्राइम : बैठक के दौरान एडिशनल सीपी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अपने-अपने क्षेत्रों में नशे के कारोबार, अवैध शराब, मादक पदार्थों और अवैध हथियारों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में यदि इस प्रकार की किसी भी गतिविधि की जानकारी मिलती है और उस पर त्वरित व प्रभावी कार्रवाई नहीं होती है, तो इसकी सीधी जिम्मेदारी संबंधित थाना प्रभारी और सर्किल स्तर के अधिकारियों की तय की जाएगी। एडिशनल सीपी ने कहा कि होली जैसे संवेदनशील त्योहार के दौरान असामाजिक तत्व माहौल बिगाड़ने की कोशिश करते हैं। ऐसे में नशे के कारोबार से जुड़े आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए और उन्हें जेल भेजा जाए। किसी भी सूरत में नशे के नेटवर्क को पनपने नहीं दिया जाएगा।

व्यापक अभियान और सघन चेकिंग चलेगी

करंट क्राइम : सूत्रों के अनुसार, आने वाले दिनों में पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के अंतर्गत व्यापक स्तर पर सघन चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। संदिग्ध व्यक्तियों, ढाबों, होटलों, किराये के मकानों और सीमावर्ती क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। खुफिया सूचनाओं के आधार पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए हैं। बैठक में यह भी कहा गया कि आम जनता के सहयोग से ही अभियान को और प्रभावी बनाया जा सकता है। नागरिकों से अपील की गई है कि यदि उनके आसपास नशे या अवैध हथियारों से जुड़ी कोई गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें।

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हम भगवा योद्धा तक पहुंचा रहे हैं एक ऐसे भगवा कमिश्नर के दिल के जज्बात? जो पिछले तीन सालों से है एक बड़ा अपवाद? सुना है इस चेहरे को नहीं दिया है देने वालों ने आज तक कोई आयाम? ये कर रहा था अपना दर्द-ए-दिल किसी से बयान? ओबीसी वाले कसाना सुना रहे थे किसी को फसाना? बोल रहे थे आयाम में काम कैसे मिलता है, जरा हमको भी बतलाना?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि नदिया पार के कराकोटी जी ने क्या बदला अपने ऑफिस का पता? तलाशने वाले तलाशने लगे उसमें कुछ ना कुछ खता? बोल रहे थे कि एक बार भाई साहब से पूछ लेना आप? जो ऑफिस अब लिया है, वो क्या किराये पर है साहब? या फिर रजिस्ट्री उन्होंने इस ऑफिस की है अपने नाम पर करवाई? अगर ऐसा है तो फिर उनको ओपनिंग के साथ-साथ ऑफिस की भी खिलानी होगी हमको मिठाई?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि यूं ही नहीं उठी है भगवागढ़ में चार की जगह तीन महामंत्रियों की बात? हमने देखा इस बात को भगवागढ़ के एक महानमंत्री लखनऊ से लेकर आये हैं अपने साथ? पार्टी के कार्यक्रम में उन्होंने संगठन के प्रमुख को दिया था ये पैगाम? बोले थे कि अब तो तीन महानमंत्रियों की ताजपोशी आपको करनी है? अब तो कम हो गया है काम? कहने वाले ने कहा महानमंत्री तो ये डॉयलाग मारकर शांत हो गये हैं? मगर उनकी इस बात ने किया हुआ है कईयों के दिल को अशांत?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा योद्धा की टीम में हर कोई पाले बैठा है महानमंत्री बनने के अरमान? एक अनार सौ बीमार वाली यहां पर कहावत घट रही है श्रीमान? क्या संजय कांत, अश्वनी शर्मा, गुंजन शर्मा, पंकज भारद्वाज, अनीता शर्मा, जयानंद शर्मा, संजीव झा, नीरज शर्मा में से सभी के नाम पर होगा विचार? सुना है सभी हैं महानमंत्री बनने को लेकर बेकरार? क्या नहीं आई उम्मीद के अनुसार लिस्ट? तो फिर क्या ये इसी तरह से दिखायेंगे योद्धा से अपना प्यार?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि जब कर ही ली है आपने शर्मा भाईयों की बात? तो फिर क्यों दबा रहे हो आप त्यागियों के जज्बात? पूछो जरा उनसे सवाल? महानमंत्री वाली लिस्ट में क्या वो एक साथ रख पायेंगे राजेश त्यागी, बॉबी त्यागी, संदीप त्यागी, कामेश्वर त्यागी, अमित रंजन, कुलदीप त्यागी, सुधीर त्यागी और संजीव त्यागी का एक साथ ख्याल? सुना है इन सभी ने भी पाले हुए हैं महान बनने के अरमान? देखना अब ये है किसको मिलता है पद? किसकी हसरतें होती हैं कुर्बान?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि चलो आपने अगर छेड़ी हैं यहां तक बात? तो फिर चर्चा में होना चाहिए ठाकुराना अंदाज? क्या भगवा योद्धा रनीता सिंह, भानु सिसौदिया, सरदार सिंह भाटी, बलराम रावल, रिचा भदौरिया, रॉबिन तोमर में से देंगे सभी को महानमंत्री का किरदार? या फिर क्लियर कर दें कौन रहेगा अंदर कौन रहेगा बाहर? वैसे भी ये वाले जल्दी से नहीं करते हैं हार स्वीकार? पता चले जो बाहर रह गये वो अपने दर्द-ए-दिल से तीखापन ना लें आये बाहर?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि इधर आप कर रहे हो सबकी फिक्र? मगर आपको करना चाहिए यहां पर 45 मिनट वाली उस मुलाकात का भी जिक्र? सुना है भगवा मास्टर ने दी थी भगवा योद्धा के यहां पर मजबूती से दस्तक? 45 मिनट तक मौजूद रहा था उनका यहां पर मस्तक? उनके किसी भी बिरादरी वाले ब्रदर को नहीं था उनकी इस मुलाकात का एहसास? वो मुस्कुराकर घर से बाहर निकले थे? ऐसा लग रहा था जैसे उन्होंने कईयों के अरमानों को कर दिया घांस? कहने वाले ने कहा देखना अब ये है कि मास्टर जी के कितना असर दिखायेंगे ये वाले प्रयास?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि जब आपने की ऊपर वाले सवाल में ठाकुरों की बात? तब आपने वहां पर दिलाया रॉबिन भैया का भी नाम याद? हम उनके संदर्भ में एक बात करना चाहते हैं क्लियर? वो तो रहना चाहते हैं भगवा योद्धा के नियर? वो महानगर के किसी भी पद पर रहने को हैं तैयार? वो तो बस होना चाहते हैं भगवा योद्धा के रथ पर सवार? उनको नहीं है किसी विशेष पद की आस? वो तो चाहते हैं सिर्फ और सिर्फ भगवा योद्धा का साथ?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि वैसे ही एक बात मेरे दिल से निकल कर है बाहर आई? क्या इस बार जाट भैया संदीप की पूरी होगी दुहाई? सुना है पिछली बार तो उन्होंने चौधरी साहब के आशीर्वाद से कर ली थी दो चीजें प्राप्त? मगर इस बार मामला कुछ डगमगाता हुआ दिख रहा है साहब? क्या इस बार भी चौधरी साहब के आशीर्वाद से ये चेहरा पायेगा मुकाम? या फिर छोड़ों कल की बातों को, उसमें क्या धरा है श्रीमान?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि कुछ ऐसा ही दिख रहा है हमें चौधरी साहब की आशीष लेकर चलने वाले और युवा चौधरी का ही हाल? क्या इस बार उनका रखेंगे चौधरी साहब ख्याल? क्या संजीव के स्थान पर इनकी करेंगे वो सिफारिश? क्या भगवा योद्धा इस सिफारिश पर ध्यान देंगे बारीक? कहने वाले ने कहा हमें दुहाई वालों से ज्यादा लग रही है इस चेहरे की टीम में आने की उम्मीद? वैसे भी इनका वक्त येढ़ा बनकर पेड़ा खाने वालों से चल रहा है ठीक?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

पटेल नगर द्वितीय में सड़क व इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य शुरू

13.97 लाख की लागत से होगा निर्माण, आवागमन होगा सुगम

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शहर विधायक संजीव शर्मा ने वार्ड संख्या पटेल नगर द्वितीय में शिव मंदिर से मकान संख्या बी-412 तक सड़क एवं दोनों ओर इंटरलॉकिंग टाइल्स निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। निर्माण कार्य की अनुमानित लागत 13 लाख 97 हजार रुपये बताई गई है।

क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए कार्य शुरू कराया गया है। निर्माण पूर्ण होने के बाद स्थानीय निवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्र की सूरत भी सुधरेगी। इस अवसर पर विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में जनसुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए विकास कार्य लगातार कराए जा रहे हैं और आगे भी जारी रहेंगे।

मीडिया प्रभारी अजय चोपड़ा ने बताया कि क्षेत्र में विकास की गति निरंतर बनी रहेगी। कार्यक्रम में महंत विजय गिरी, मंडल अध्यक्ष महिम गुप्ता, पार्षद शीतल चौधरी, क्रॉसिंग मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी, हिमांशु पाराशर, अरुण चौधरी, सुमन जाटव, मोहित ठाकुर, किरण रहेजा, सुनीत शर्मा, शशिकांत, अनिल जिंदल, विनीत त्यागी, सुधीर शर्मा, अनिल कश्यप, गजराज सिंह, ओ.पी. अग्रवाल, राकेश मित्तल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

हौसलों को मिला सहारा तो जीत बना मुकद्दर

गाजियाबाद के राजा बाबू शर्मा की कप्तानी में व्हीलचेयर क्रिकेट में यूपी चैंपियन

विधायक संजीव शर्मा के सहयोग से पूरी हुई उड़ान

गाजियाबाद, करंट क्राइम। कभी संसाधनों की कमी, कभी यात्रा की चिंता लेकिन जब इरादे मजबूत हों और साथ में सहयोग का हाथ हो, तो रास्ते खुद बनते चले जाते हैं।

व्हीलचेयर नेशनल क्रिकेट टूर्नामेंट में यही कहानी उत्तर प्रदेश की टीम ने लिखी। उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान की टीमों के बीच हुए रोमांचक मुकाबलों में उत्तर प्रदेश ने फाइनल में मध्य प्रदेश को हराकर खिताब अपने नाम किया। इस ऐतिहासिक जीत की कमान गाजियाबाद के दिव्यांग खिलाड़ी राजा बाबू शर्मा ने संभाली। उनके नेतृत्व में टीम ने संघर्ष, अनुशासन और आत्मविश्वास का ऐसा प्रदर्शन किया, जिसने दर्शकों का दिल जीत लिया।

इस जीत के पीछे एक महत्वपूर्ण कड़ी शहर विधायक संजीव शर्मा का सहयोग भी रहा। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए यात्रा व्यय (रेल किराया) सहित आवश्यक व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी विधायक ने निभाई। परिणामस्वरूप टीम बिना किसी चिंता के पूरे मनोबल के साथ मैदान में उतरी – और जीत हासिल की। विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और आत्मविश्वास का मंच है। दिव्यांग खिलाड़ी समाज के लिए प्रेरणा हैं और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव सहयोग दिया जाएगा।

मीडिया प्रभारी अजय चोपड़ा ने कहा कि यह जीत संदेश देती है कि सही समय पर मिला समर्थन किसी भी सपने को हकीकत में बदल सकता है। यह केवल एक ट्रॉफी की जीत नहीं, बल्कि हौसलों की जीत है – जिसने गाजियाबाद और पूरे उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया।

पॉक्सो मामले में दोषी को 7 साल का सश्रम कारावास

पुलिस की सख्त पैरवी से आया फैसला

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद द्वारा अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत एक और सफलता मिली है। नाबालिग से जुड़े गंभीर अपराध के मामले में प्रभावी पैरवी के चलते अदालत ने अभियुक्त को लंबी सजा सुनाई है। जानकारी के अनुसार थाना सिहानीगेट में दर्ज वर्ष 2014 के एक मामले में न्यायालय ने अभियुक्त को दोषी करार दिया। पुलिस आयुक्त के निर्देशन में गठित कन्विक्शन सेल की सतत निगरानी और विशेष लोक अभियोजक उत्कर्ष वत्स की मजबूत दलीलों से अभियोजन पक्ष ने मामला मजबूती से रखा।

वादी द्वारा 08 नवंबर 2014 को थाना सिहानीगेट में तहरीर देकर आरोप लगाया गया था कि अभियुक्त ने उसकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर ले गया। इस पर पुलिस ने धारा 363, 366, 376 भादवि व धारा 4 पॉक्सो अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। लंबी सुनवाई और साक्ष्यों के परीक्षण के बाद विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट), कोर्ट संख्या-3/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, गाजियाबाद ने अभियुक्त दिनेश कुमार उर्फ गड्डू निवासी मास्टर कॉलोनी, मेरठ रोड, थाना सिहानीगेट को दोषी ठहराया। अदालत ने अभियुक्त को धारा 363 भादवि में 03 वर्ष का सश्रम कारावास व 5 हजार जुमार्ना, धारा 366 भादवि में 05 वर्ष का सश्रम कारावास व 5 हजार जुमार्ना, धारा 4 पॉक्सो अधिनियम में 07 वर्ष का सश्रम कारावास व 15 हजार जुमार्ना की सजा सुनाई है। मामले में विशेष लोक अभियोजक उत्कर्ष वत्स (पॉक्सो एक्ट), कन्विक्शन सेल के पैरोकार उपनिरीक्षक सतकुमार और थाना सिहानीगेट के पैरोकार उपनिरीक्षक अजय कुमार की भूमिका सराहनीय रही। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद का कहना है कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत ऐसे मामलों में दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

ट्रोनिका सिटी क्षेत्र में राष्ट्रीय पक्षी की मौत पर जांच शुरू, प्रशासन हुआ अलर्ट

गाजियाबाद, करंट क्राइम : लोनी के ट्रोनिका सिटी थानाक्षेत्र में राष्ट्रीय पक्षी मोर की संदिग्ध मौतों से इलाके में हड़कंप मच गया है। ट्रोनिका सिटी क्षेत्र के ग्राम पचायरा में आधा दर्जन से अधिक मोरों के शव मिलने से ग्रामीणों में दहशत और चिंता का माहौल है। मृत मोरों को खेतों और आबादी के आसपास अलग-अलग स्थानों पर पाया गया, जिससे किसी गंभीर कारण की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। साथ ही वन विभाग की टीम को भी बुलाया गया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल मोरों की मौत के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। प्रारंभिक तौर पर विषाक्त पदार्थ, जहरीला दाना, बीमारी या पर्यावरणीय कारणों की जांच की जा रही है।

वन विभाग द्वारा मृत मोरों के नमूने पोस्टमार्टम और लैब जांच के लिए भेजे जा रहे हैं, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि मौत प्राकृतिक कारणों से हुई या किसी प्रकार का जहर अथवा मानवीय लापरवाही इसके पीछे है। वहीं पुलिस भी यह पता लगाने में जुटी है कि कहीं यह मामला जानबूझकर नुकसान पहुंचाने का तो नहीं है। ग्रामीण पंकज और नवल का कहना है कि एक साथ इतनी संख्या में राष्ट्रीय पक्षी की मौत होना गंभीर विषय है और इसकी निष्पक्ष व गहन जांच होनी चाहिए।

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी को संदिग्ध गतिविधि या जानकारी हो तो तुरंत पुलिस या वन विभाग को सूचित करें। फिलहाल पूरे क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी गई है और वन विभाग मोरों की मौत के वास्तविक कारणों की तलाश में जुटा हुआ है।

दो स्थानों पर आग से मची अफरा-तफरी

फायर ब्रिगेड की तत्परता से टला बड़ा हादसा

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में सोमवार को कुछ ही मिनटों के अंतराल में आग लगने की दो घटनाएं सामने आईं। पहली घटना सुबह करीब 11:20 बजे ट्रॉनिका सिटी इंडस्ट्रियल एरिया के सेक्टर ए-1 स्थित एक रेडीमेड गारमेंट्स फैक्ट्री में हुई। तीन मंजिला भवन के प्रथम तल पर लगी आग की सूचना मिलते ही ट्रॉनिका सिटी फायर स्टेशन से तीन फायर टेंडर मौके पर पहुंचे और लगभग आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग का संभावित कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया है। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

दूसरी घटना सुबह करीब 11:15 बजे पर गोवर्धन अपार्टमेंट कौशांबी के फ्लैट संख्या 1404 में हुई, जहां 14वीं मंजिल पर स्थित फ्लैट में आग फैल गई। सूचना पर वैशाली फायर स्टेशन से दो फायर टेंडर मौके पर पहुंचे। फायर कर्मियों ने नीचे से हौज लाइन बिछाकर आग पर नियंत्रण पाया तथा फ्लैट में रखे दो एलपीजी सिलेंडरों को सुरक्षित बाहर निकालकर संभावित विस्फोट टाल दिया। करीब एक घंटे की कार्रवाई के बाद आग पूरी तरह बुझा दी गई। दोनों घटनाओं में फायर ब्रिगेड की त्वरित और साहसिक कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय लोगों ने फायर कर्मियों की मुस्तैदी की सराहना की।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।